हरिभूमि

हिसार-हांसी भूमि

रोहतक, रविवार 28 जून 2026

12 सरकारी दावों को चुनौतीः अमृत-2 योजना में 'टी-कनेक्शन' का प्रावधान

12 शहर की समस्याओं को लेकर एकजुट होंगे हिसार के नागरिक

खबर संक्षेप

मार्केटों व मुख्य मार्गों से हटवाया अतिक्रमण

हिसार। शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाने के उद्देश्य से नगर निगम द्वारा विशेष अभियान लगातार चलाया जा रहा है। शनिवार को निगम की टीम ने मलिक चौक से एचएयू के गेट नंबर 2 तक अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की। रेलवे स्टेशन रोड तथा पोस्ट ऑफिस के सामने अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई की। इसके उपरांत टीम ने राजगुरु मार्केट, बिश्नोई मंदिर मार्केट, आर्य बाजार और बालाजी मार्केट में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करते हुए राजगुरु मार्केट से 10 से 12 दुकानदारों का सामान भी जब्त किया गया। इसके अलावा दिल्ली रोड पर लक्ष्मीबाई चौक से लेकर जिंदल पुल तक अभियान चलाकर सड़क किनारे किए गए अतिक्रमण को हटाया गया।

बाइक चोरी मामले में एक और गिरफ्तार

हिसार। अर्बन एस्टेट थाना पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी के मामले में एक अन्य आरोपी को गिरफ्तार किया है। मुख्य सिपाही संदीप कुमार ने बताया कि इस संबंध में सातरोड़ खास निवासी अंग्रेज ने शिकायत दी थी कि 19 नवंबर 2023 को वह अपने साथियों के साथ सनसिटी मॉल में फिल्म देखने गया था। उसने अपनी बजाज पल्सर मोटरसाइकिल मॉल के बाहर खड़ी की थी। फिल्म समाप्त होने के बाद वापस आने पर उसकी मोटरसाइकिल वहां से चोरी मिली। पुलिस ने केस दर्ज करके जांच करते हुए इस मामले में पटेल नगर निवासी प्रियांशु को गिरफ्तार किया है। इसी मामले में पुलिस पहले ही एक आरोपी को गिरफ्तार कर चोरीशुदा मोटरसाइकिल बरामद कर चुकी है।

कैबिनेट मंत्री शर्मा ने डीआर और एआर को लगाई फटकार

लोक संपर्क व जन परिवाद समिति की बैठक में मंत्री के तल्ख तेवर

- बहुचर्चित स्कॉलर कॉलोनी विवाद पर मंत्री बोले, पहले दिन ठीक से काम करते तो इतने साल पेंडिंग नहीं रहता मामला

▶▶ मंत्री ने आगामी 10 दिन में स्कॉलर कॉलोनी विवाद की विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर उन्हें सौंपने के निर्देश दिए

▶▶ 12 साल से लंबित मामले के कारण सरकार की हो रही बदनामी : ग्रीवांस कमेटी सदस्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

कैबिनेट मंत्री डॉ अरविंद कुमार शर्मा ने शनिवार को जिला लोक संपर्क एवं जन परिवाद समिति की बैठक की ली। बैठक में बहुचर्चित स्कॉलर कॉलोनी विवाद मंत्री डॉ. शर्मा के सामने उठा। कॉलोनीवासी प्रेम सिंह ने बताया कि इस कॉलोनी में सोसायटी प्रधान ने कम्युनिटी सेंटर एवं पार्कों की जमीन पर प्लॉट काट दिए। यही नहीं एक प्लॉट को अवैध रूप से दो लोगों को बेच दिया। वह खुद भुगतभोगी है। इस दौरान सोसायटी प्रधान कपिला भी मौजूद थी। इसी बीच बैठक में उपस्थित ग्रीवांस कमेटी सदस्य प्रो. कृष्ण लाल रिणवा व प्रवीन जैन ने स्कॉलर कॉलोनी सोसायटी के पदाधिकारियों की भूमिका पर सवाल खड़े किए और सोसायटी पदाधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। उन्होंने मंत्री को बताया कि सोसायटी की अनियमितताओं से जुड़ा यह मामला 12 साल से चल रहा है। सख्त कार्रवाई नहीं होने से सरकार की बदनामी हो रही है। मीटिंग में उपस्थित डिप्टी रजिस्ट्रार व असिस्टेंट रजिस्ट्रार ने बताया कि सोसायटी प्रधान कपिला समेत अन्य पदाधिकारियों को सस्पेंड कर दिया गया है। इस पर कड़ा संज्ञान लेते हुए कैबिनेट मंत्री डॉ. शर्मा ने डिप्टी रजिस्ट्रार व असिस्टेंट रजिस्ट्रार को कड़ी फटकार लगाई और कहा कि सुधर जाओ, ठीक से काम करना शुरू कर दो। पहले दिन ठीक से कार्रवाई की होती तो यह मामला इतने वर्षों तक नहीं लंबित नहीं रहता। मामले में कैबिनेट मंत्री ने डिप्टी रजिस्ट्रार व असिस्टेंट रजिस्ट्रार को चेतावनी दी और आगामी 10 दिन में विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर उन्हें सौंपने के निर्देश दिए। शनिवार को मीटिंग में रखे गए 15 में से 10 परिवादों का समाधान किया। शेष शिकायतों को आगामी बैठक के लिए लंबित रखते हुए उन्होंने समाधान के लिए अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए।

हिसार। बैठक की अध्यक्षता कर नागरिकों की समस्या सुनते सहकारिता मंत्री अरविंद कुमार शर्मा।

गोल्ड सुक मामले में एक्शन लेने की हिदायत दी

ऐरन गोल्ड सुक प्रोजेक्ट की कथित अनियमितताओं संबंधी मामले में पुलिस अधीक्षक कार्यालय की ओर से अवगत करवाया कि मामले में एफआईआर दर्ज की गई है। इस संबंध में कैबिनेट मंत्री ने मामले में सख्त एक्शन लेने की हिदायत देते हुए जांच कमेटी में ग्रीवांस कमेटी के दो सदस्यों को शामिल करने के निर्देश दिए। बैठक में शिकायतकर्ता रोहताश गुप्ता निवासी बरवाला द्वारा अवगत करवाया गया कि उनकी प्रॉपर्टी को नगरपरिषद कर्मचारियों ने मिलीभगत करके किसी अन्य व्यक्ति के नाम चढा दी है। इस पर बरवाला एसडीएम अश्वीर गैन ने अवगत करवाया कि दस्तावेजों को एफएसएल भेजा गया है, जिसकी रिपोर्ट 15 जुलाई तक आने की संभावना है।

कंपनी संचालकों को तलब कर डीसी से समक्ष पेश होने के निर्देश

ग्लोबल स्पेस निवासी प्रार्थी अविनाश भाटिया द्वारा पैसे देने के बाद भी राज दरबार बिल्डकॉन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा प्लॉट की रजिस्ट्री नहीं करवाने के मामले में डीटीपी दिनेश ने बताया कि यह मामला रेरा कोर्ट में है। अगस्त माह में इस पर निर्णय आने की उम्मीद है। इस मामले में कैबिनेट मंत्री ने कंपनी संचालकों को तलब कर उपायुक्त से समक्ष पेश होने के निर्देश दिए। साथ ही डीटीपी को भी ग्लोबल स्पेस संचालकों के विरुद्ध नागरिकों को तय सुविधाएं न देने की शिकायतों पर कड़ी कार्रवाई करने हिदायत दी।

मंत्री ने की फिल्टर की इंस्टॉलेशन और मेंटेनेंस संबंधी रिपोर्ट तलब

गांव मोहम्मदपुर के निवासियों द्वारा गांव के वाटर वर्क्स के फिल्टर नहीं बदलने तथा सप्लाई में गंदा पानी की आपूर्ति देने संबंधी शिकायत पर कैबिनेट मंत्री ने जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग को हिदायत देते हुए कहा कि अविलंब जलघर के फिल्टर चेंज करें। इसके अतिरिक्त अगली बैठक में पूरे जिले में जितने भी जलघर हैं, उनमें लगे फिल्टर की इंस्टॉलेशन और मेंटेनेंस संबंधी रिपोर्ट लेकर आए।

यह रहे उपस्थित

इस अवसर पर नलवा विधायक रणधीर पनिहार, उपायुक्त महेंद्र पाल, हिसार पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, भाजपा जिला अध्यक्ष आशा खेदड़, मेयर प्रवीण पोपली, पूर्व मंत्री अनूप धानक, जिला नगर आयुक्त सी जयश्रद्धा, अतिरिक्त उपायुक्त शालिनी चेतल, नगराधीश रोहित आदि उपस्थित रहे।

एससी वर्ग की महिला से बेरहमी से मारपीट

कपड़े फाड़ने और अश्लील वीडियो बनाने का आरोप

- घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में आई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

शहर में अनुसूचित जाति (एससी) की एक महिला के साथ कथित तौर पर बेरहमी से मारपीट का मामला सामने आया है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में आई है और मामले की जांच शुरू कर दी है। पीड़िता का आरोप है कि पड़ोसियों ने उसे सड़क पर दौड़ाकर पीटा, घर के अंदर घसीटकर मारपीट की, कपड़े फाड़ दिए और उसका अश्लील वीडियो भी बनाया। वायरल वीडियो में कुछ महिलाएं और युवक पीड़िता के साथ मारपीट करते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में महिला को सड़क से खींचकर एक मकान के अंदर ले जाया जाता है, जहां कई लोग उसे फर्श पर गिराकर पीटते नजर आते हैं।

पड़ोसियों से विवाद के बाद हुई घटना

हिसार के अस्पताल में उपचाराधीन पीड़िता ने बताया कि 24 जून की शाम पड़ोसियों के साथ किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। आरोप है कि इसके बाद आरोपियों ने उसके घर में घुसकर हमला किया और फिर उसे बाहर घसीटकर लाठी-डंडों से पीटा। महिला का दो महीने का बच्चा भी है। मारपीट के बाद वह बच्चे को गोद में लेकर सड़क पर बैठ गई और लोगों से पुलिस व मीडिया को बुलाने की गुहार लगाती रही।

गंभीर आरोप लगाए

पीड़िता ने आरोप लगाया कि मारपीट के दौरान उसके कपड़े फाड़ दिए गए और उसका न्यूड वीडियो बनाकर कई लोगों को दिखाया गया। उसने यह भी आरोप लगाया कि उसके साथ अभद्रता की गई और उसके निजी अंगों से भी छेड़छाड़ की गई। महिला ने यह भी दावा किया कि गर्भावस्था के दौरान भी आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की थी, जिससे गर्भ में पल रहे बच्चे को गंभीर चोट पहुंची थी। उसका कहना है कि बच्चे का अभी भी इलाज चल रहा है। पीड़िता ने कहा कि यदि उसे न्याय नहीं मिला तो वह परिवार सहित कठोर कदम उठाने को मजबूर होगी।

केस दर्ज

शहर थाना प्रभारी सुखजीत सिंह ने बताया कि दोनों पक्षों की ओर से शिकायतें मिली हैं। पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। वायरल वीडियो सामने आने के बाद उसकी भी जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस के अनुसार, वीडियो में जिस प्रकार कई लोग महिला के साथ मारपीट करते दिखाई दे रहे हैं, उस पूरे घटनाक्रम की गंभीरता से जांच की जा रही है। फिलहाल मामले में एससी/एसटी एक्ट की धाराएं नहीं जोड़ी गई हैं। पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

TATA की पेशकश

आपकी जीत।
भारत की जीत।

सोना एक्सचेंज करने की पारदर्शी प्रक्रिया जो आपको अपने पुराने सोने का बेहतरीन मूल्य देती है और भारत को सोने का आयात कम करने में मदद करती है।

यही है एक #WinWinGoldExchange

36 लाख भारतीयों ने पाया अपने पुराने सोने का बेहतरीन मूल्य

0% फ्लैट 0% कटौती* किसी भी ज्वेलर से लिए गए पुराने सोने (9 कैरट जितना कम) के एक्सचेंज पर।

₹ किसी भी ज्वेलर से लिए गए पुराने सोने का कैश में बेहतरीन मूल्य पाइए (9 कैरट जितना कम)।

कोई छिपी कटौती नहीं

साल भर एक्सचेंज की सुविधा

नए गोल्ड और डायमंड डिज़ाइन्स घर लाइए

शादी, त्यौहारों और खास मौकों के लिए एक्सचेंज करें

TANISHQ — GOLD EXCHANGE

Talk to our jewellery expert to know more 1800 2966 677 Buy online at tanishq.co.in or Download our App *Conditions apply, For T&C visit our website. -

शोरूम :- पीएलए मार्किट के सामने, रिलायंस फ्रैश के पास, दिल्ली रोड़, हिसार टेली. 1800 890 6026

मुंबई-दिल्ली नहीं, बल्कि छोटे शहर भी बन रहे हैं निवेश के हब

40% से अधिक नए एसआईपी टियर-2, 3 और 4 शहरों से, पीडब्ल्यूसी की रिपोर्ट में दावा : हर महीने 3 अरब डॉलर का निवेश
अगले दशक में 1.5 ट्रिलियन डॉलर की संपत्ति का हस्तांतरण, भारतीय बाजारों को मिलेगा बड़ा फायदा, निवेशक भी होंगे मालामाल

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

भारत में निवेश का परिदृश्य तेजी से बदल रहा है। अब केवल महानगर ही नहीं, बल्कि टियर-2, टियर-3 और टियर-4 शहर भी निवेश वृद्धि के प्रमुख केंद्र बन रहे हैं। प्राइसवाटरहाउसकूपर्स (पीडब्ल्यूसी) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार देश में शुरू होने वाले 40 फीसदी से अधिक नए सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) छोटे शहरों से आ रहे हैं। मासिक एसआईपी निवेश 3 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है, जो भारतीय शेयर बाजार को स्थिर और दीर्घकालिक पूंजी उपलब्ध करा रहा है। भारतीय निवेश बाजार में छोटे शहरों की भूमिका लगातार मजबूत होती जा रही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय बाजारों को खुदरा निवेशकों और हाई नेटवर्थ इंडिविजुअल (एचएनआई) दोनों वर्गों की बढ़ती भागीदारी का लाभ मिलेगा। भारत में वर्तमान में हर महीने करीब 3 अरब डॉलर का एसआईपी निवेश आ रहा है। पीडब्ल्यूसी ने इसे प्राइस इंसेंसिटिव इक्विटी फ्लो बताया है, क्योंकि बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद निवेशक नियमित निवेश जारी रखे हुए हैं। इससे शेयर बाजार को स्थिर और दीर्घकालिक पूंजी मिल रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि घरेलू निवेशकों की बढ़ती ताकत भारतीय बाजार को वैश्विक अनिश्चितताओं से बचाने में भी मदद कर रही है। देश में डिजिटल क्रांति ने निवेश के तरीके को पूरी तरह बदल दिया है। पहले जहां निवेश की सुविधा मुख्य रूप से बड़े शहरों तक सीमित थी, वहीं अब मोबाइल ऐप, ऑनलाइन ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म और डिजिटल केवाईसी जैसी सुविधाओं ने छोटे शहरों के लोगों को भी बाजार से जोड़ दिया है। यही वजह है कि अब निवेश का नया केंद्र छोटे शहर और कस्बे बनते जा रहे हैं।

क्या कहता है अनुमान

रिपोर्ट के अनुसार अगले 10 वर्षों में भारत में 1.5 ट्रिलियन डॉलर से अधिक की संपत्ति एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को हस्तांतरित होगी। इस वेल्थ ट्रांसफर का बड़ा हिस्सा वित्तीय उत्पादों, म्यूचुअल फंड, शेयर बाजार और वेल्थ मैनेजमेंट सेवाओं की ओर जा सकता है। पीडब्ल्यूसी का अनुमान है कि वर्ष 2030 तक भारत में एचएनआई आबादी एशिया-प्रशांत क्षेत्र में सबसे तेज गति से बढ़ेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि यह संपत्ति हस्तांतरण भारतीय वित्तीय क्षेत्र के लिए एक बड़ा अवसर साबित होगा। नई पीढ़ी पारंपरिक निवेश साधनों की तुलना में शेयर बाजार, म्यूचुअल फंड और अन्य आधुनिक वित्तीय उत्पादों में अधिक रुचि

दिखा रही है। इससे निवेश उद्योग को नई गति मिलने की संभावना है। भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था को भी रिपोर्ट में निवेश वृद्धि का प्रमुख आधार बताया गया है। डिजिटल भुगतान, ऑनलाइन ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म, मोबाइल-फर्स्ट निवेशक वर्ग और एआई आधारित वित्तीय सेवाओं ने निवेश को आसान और सुलभ बनाया है। यही कारण है कि छोटे शहरों से निवेशकों की संख्या तेजी से बढ़ रही है।

रिपोर्ट की प्रमुख बातें

- 40% से अधिक नए एसआईपी टियर-2, 3 और 4 शहरों से।
- हर महीने करीब 3 अरब डॉलर का एसआईपी निवेश।
- अगले 10 वर्षों में 1.5 ट्रिलियन डॉलर की पीढ़ीगत संपत्ति हस्तांतरण की संभावना।
- 2030 तक भारत में हाई नेटवर्थ इंडिविजुअल आबादी एशिया-प्रशांत क्षेत्र में सबसे तेज गति से बढ़ने का अनुमान।
- भारत वैश्विक निवेशकों और भारतीय पूंजी के लिए दोतरफा निवेश गलियारा बन रहा है।

छोटे शहरों से क्यों बढ़ रहा निवेश

- इंटरनेट और स्मार्टफोन की पहुंच में तेजी
- डिजिटल भुगतान प्रणाली का विस्तार
- म्यूचुअल फंड कंपनियों की बढ़ती पहुंच
- युवाओं में निवेश के प्रति जागरूकता
- वित्तीय शिक्षा और निवेश अभियानों का असर
- डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर बना ताकत

क्या कहती है रिपोर्ट

रिपोर्ट के अनुसार भारत का मजबूत डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, बड़ी एआई इंजीनियरिंग प्रतिभा, मोबाइल-फर्स्ट निवेशक वर्ग और नवाचार आधारित वित्तीय प्रणाली उसे एशिया-प्रशांत क्षेत्र के अन्य देशों से आगे खड़ा करती है। देश में मौजूद विशाल डिजिटल नेटवर्क निवेशकों को कम लागत और कम समय में वित्तीय सेवाएं उपलब्ध करा रहा है। जीआईएफटी सिटी के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय निवेश अवसरों को भी महत्वपूर्ण बताया गया है। रिपोर्ट के अनुसार यह भारत के लिए एक समयबद्ध अवसर है, जो देश को वैश्विक वित्तीय सेवाओं के केंद्र के रूप में स्थापित करने में मदद कर सकता है।

एशिया-प्रशांत में भारत की बढ़त

पीडब्ल्यूसी का अनुमान है कि 2026 से 2030 के बीच एशिया-प्रशांत क्षेत्र का एसेट और वेल्थ मैनेजमेंट बाजार 6.8 फीसदी की वार्षिक दर से बढ़ेगा। यह उत्तर अमेरिका के 6.2 फीसदी और यूरोप के 5.6 फीसदी की तुलना में अधिक है। भारत इस वृद्धि का प्रमुख लाभार्थी बन सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि मजबूत आर्थिक विकास, युवा आबादी और बढ़ती आय भारत को निवेश के लिए सबसे आकर्षक बाजारों में शामिल कर रही है।

निवेश के उभरते अवसर

म्यूचुअल फंड, पैसिव फंड, शेयर बाजार, वैकल्पिक निवेश, प्राइवेट क्रेडिट, वेल्थ मैनेजमेंट सेवाएं, वैकल्पिक निवेश में बड़ा अवसर

निवेशकों के लिए संकेत

विशेषज्ञों का मानना है कि छोटे शहरों से बढ़ती निवेश भागीदारी बाजारों को अधिक गहराई और स्थिरता प्रदान करेगी। बढ़ती वित्तीय जागरूकता, डिजिटल पहुंच और लंबी अवधि की निवेश संस्कृति आने वाले वर्षों में भारतीय पूंजी बाजारों की सबसे बड़ी ताकत बन सकती है। यदि मौजूदा रुझान जारी रहता है तो भारत वैश्विक निवेश मानचित्र पर और अधिक मजबूत स्थिति में दिखाई देगा और घरेलू निवेशक इसकी सबसे बड़ी शक्ति बनकर उभरेंगे।

निवेश विशेषज्ञ अब दे रहे सोने से दूर रहने की सलाह

सुझाव
बिजनेस डेस्क

पिछले कुछ वर्षों में सोने ने निवेशकों को शानदार रिटर्न दिया है। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, केंद्रीय बैंकों की खरीदारी और डॉलर पर घटते भरोसे जैसे कारणों से सोने की कीमतों में जबरदस्त तेजी देखने को मिली। लेकिन अब एक ऐसे निवेश विशेषज्ञ, जिनकी पिछली कई भविष्यवाणियां सही साबित हुई हैं, निवेशकों को सोने से दूरी बनाने की सलाह दे रहे हैं। मौजूदा स्तर पर सोना आकर्षक निवेश नहीं रह गया है। उनके अनुसार इक्विटी और डेट मार्केट फिलहाल निवेशकों के लिए बेहतर अवसर प्रदान कर रहे हैं। नवंबर 2023 में जब निवेशकों का भरोसा सोने पर कमजोर था और बाजार में नकारात्मक माहौल था, तब बुलियन में निवेश की जोरदार पैरवी की थी। बाद में चांदी की कीमतों को लेकर भी उनकी चेतावनी काफी हद तक सही साबित हुई। अब उनका कहना है कि जो परिस्थितियां पहले सोने के पक्ष में थीं, वे काफी हद तक बदल चुकी हैं। इसलिए नए निवेश के लिए सोना उनकी प्राथमिकता नहीं है।

ईटीएफ निवेश ने बढ़ाई कीमतें

हाल की तेजी में केवल केंद्रीय बैंकों की खरीदारी ही नहीं, बल्कि गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ में आए बड़े निवेश का भी योगदान रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि जब किसी एसेट में अत्यधिक उत्साह पैदा हो जाता है, तो उसके रिटर्न की संभावनाएं धीरे-धीरे कम होने लगती हैं।

इक्विटी में दिख रहा बेहतर मूल्यांकन

भारतीय शेयर बाजार में 2024 के दौरान वैल्यूएशन काफी महंगे हो गए थे। लेकिन बाद की गिरावट और करेक्शन के बाद अब कई सेक्टर और कंपनियां अधिक उचित मूल्य पर उपलब्ध हैं। उनके अनुसार अगले 3 से 5 वर्षों में इक्विटी बाजार सोने की तुलना में बेहतर रिटर्न देने की क्षमता रखता है। खासकर लंबी अवधि के निवेशकों के लिए यह अवसर महत्वपूर्ण हो सकता है। भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूत विकास दर, बढ़ता घरेलू निवेश और कॉरपोरेट आय में सुधार की संभावनाएं इक्विटी बाजार के पक्ष में नजर आती हैं। यही वजह है कि कई फंड मैनेजर अब सोने की बजाय शेयर बाजार को प्राथमिकता दे रहे हैं।

बेहतर यील्ड का फायदा

विशेषज्ञों का मानना है कि वर्तमान समय में डेट मार्केट भी निवेशकों को आकर्षक अवसर प्रदान कर रहा है। ब्याज दरों और बॉन्ड यील्ड के मौजूदा स्तर कई निवेशकों के लिए अच्छा जोखिम-रिटर्न संतुलन पेश कर रहे हैं। डेट निवेश उन लोगों के लिए उपयोगी हो सकता है जो नियमित आय, अपेक्षाकृत कम जोखिम और पोर्टफोलियो में स्थिरता चाहते हैं।

10 लाख हों तो क्या करें?

यदि किसी निवेशक के पास 10 लाख रुपये निवेश के लिए उपलब्ध हैं, तो फिलहाल सोने में अतिरिक्त निवेश से बचना बेहतर हो सकता है। इसके बजाय राशि को इक्विटी और डेट निवेश के बीच संतुलित रूप से बांटना अधिक उपयुक्त रणनीति हो सकती है। हालांकि निवेश का अनुपात प्रत्येक व्यक्ति की उम्र, जोखिम क्षमता, वित्तीय लक्ष्य और निवेश अवधि के अनुसार अलग-अलग हो सकता है।

क्या सोने को पूरी तरह छोड़ देना चाहिए?

यह समझना जरूरी है कि किसी विशेषज्ञ द्वारा सोने को कम आकर्षक बताने का अर्थ यह नहीं है कि निवेशक अपने पोर्टफोलियो से सोना पूरी तरह हटा दें। वित्तीय योजनाकार आमतौर पर कुल पोर्टफोलियो का 5% से 10% हिस्सा सोने में रखने की सलाह देते हैं ताकि विविधीकरण बना रहे। सोना अब भी भू-राजनीतिक संकट, मुद्रास्फीति और बाजार की अनिश्चितता के समय सुरक्षा कवच का काम कर सकता है। लेकिन वर्तमान मूल्य स्तरों पर असाधारण रिटर्न की उम्मीद करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

क्यों बदल गया सोने का निवेश समीकरण?

पहले वैल्यूएशन आकर्षक था : विशेषज्ञों के अनुसार कुछ साल पहले सोना अपेक्षाकृत कम कीमतों पर उपलब्ध था। उस समय डी-डॉलराइजेशन, केंद्रीय बैंकों की खरीदारी और वैश्विक आर्थिक चिंताओं जैसे कारक सोने के लिए मजबूत आधार तैयार कर रहे थे। हालांकि आज स्थिति अलग है। पिछले वर्षों की तेज बढ़त के बाद सोने की कीमतों में काफी वृद्धि हो चुकी है और निवेशकों का उत्साह भी चरम पर पहुंच गया है। ऐसे माहौल में आगे की तेजी की संभावना सीमित हो सकती है।

नॉर्मल, फिक्स्ड टॉप-अप और वैरिएबल टॉप-अप एसआईपी

● छोटी बढ़ोतरी से करोड़ों का बन सकता है अतिरिक्त फंड ● 25 साल में रिटर्न का बड़ा अंतर, आय बढ़ने के साथ एसआईपी बढ़ाना जरूरी ● 10 हजार रुपये की मासिक एसआईपी पर वैरिएबल टॉप-अप से बन सकता है 4.46 करोड़ तक का फंड

जानकारी
बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड में निवेश का सबसे लोकप्रिय और आसान तरीका सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) माना जाता है। छोटी-छोटी रकम को नियमित रूप से निवेश कर लंबे समय में बड़ा फंड तैयार किया जा सकता है। यही कारण है कि बीते कुछ वर्षों में एसआईपीनि वेशकों की संख्या तेजी से बढ़ी है। हालांकि वित्तीय विशेषज्ञों का मानना है कि केवल एसआईपी शुरू करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि समय के साथ निवेश राशि को बढ़ाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। बढ़ती आय के साथ यदि एसआईपी राशि भी बढ़ाई जाए तो लंबी अवधि में रिटर्न कई गुना बढ़ सकता है। निवेशकों के लिए सामान्य तौर पर तीन प्रकार की एसआईपी रणनीतियां उपलब्ध हैं। इनमें नॉर्मल एसआईपी , फिक्स्ड टॉप-अप एसआईपी और वैरिएबल टॉप-अप एसआईपी शामिल हैं। तीनों का उद्देश्य नियमित निवेश करना है, लेकिन निवेश राशि बढ़ाने के तरीके और अंतिम फंड में काफी अंतर देखने को मिलता है।

क्या है नॉर्मल एसआईपी

नॉर्मल एसआईपी सबसे सामान्य और पारंपरिक निवेश विकल्प है। इसमें निवेशक हर महीने एक तय राशि म्यूचुअल फंड में निवेश करता है और पूरी अवधि के दौरान यह राशि समान रहती है। उदाहरण के तौर पर यदि किसी व्यक्ति ने 10,000 रुपये मासिक एसआईपी शुरू की है तो अगले वर्ष और उसके बाद भी वह हर महीने 10,000 रुपये ही निवेश करेगा। नॉर्मल एसआईपी उन लोगों के लिए उपयुक्त मानी जाती है जो निवेश में सरलता चाहते हैं और अपनी मासिक बचत को एक निश्चित सीमा में रखना पसंद करते हैं। हालांकि इसमें एक कमी यह है कि आय बढ़ने के बावजूद निवेश राशि नहीं बढ़ती, जिससे लंबी अवधि में संभावित फंड का आकार सीमित रह सकता है।

नॉर्मल एसआईपी की विशेषताएं

■ हर महीने एक निश्चित राशि का निवेश ■ निवेश प्रक्रिया सरल और आसान ■ बजट प्रबंधन में सुविधा ■ नए निवेशकों के लिए बेहतर विकल्प ■ आय बढ़ने का पूरा लाभ निवेश में नहीं जुड़ता

क्या है फिक्स्ड टॉप-अप एसआईपी

फिक्स्ड टॉप-अप एसआईपी उन निवेशकों के लिए बनाई गई है जो अपनी एसआईपी राशि को समय-समय पर बढ़ाना चाहते हैं। इसमें निवेशक हर वर्ष अपनी मासिक एसआईपी में एक निश्चित रकम जोड़ता है। यह बढ़ोतरी पहले से तय होती है और हर साल समान रहती है। उदाहरण के तौर पर यदि कोई निवेशक 10,000 रुपये की एसआईपी शुरू करता है और हर साल 1,000 रुपये का टॉप-अप चुनता है, तो अगले साल उसकी एसआईपी 11,000 रुपये, फिर 12,000 रुपये और उसके बाद 13,000 रुपये हो जाएगी। विशेषज्ञों के अनुसार यह विकल्प उन वेतनभोगी लोगों के लिए अच्छा है जिन्हें हर साल नियमित वेतन वृद्धि मिलती है। इससे आय बढ़ने के साथ निवेश भी बढ़ता रहता है और लंबी अवधि में बड़ा फंड तैयार करने में मदद मिलती है।

फिक्स्ड टॉप-अप एसआईपी के फायदे

■ हर साल निवेश राशि में बढ़ोतरी ■ वेतन वृद्धि का लाभ निवेश में शामिल ■ लंबी अवधि में अधिक संपत्ति निर्माण ■ निवेश योजना पहले से तय रहती है ■ वित्तीय लक्ष्यों को तेजी से हासिल करने में मदद

क्या है वैरिएबल टॉप-अप एसआईपी

वैरिएबल टॉप-अप एसआईपी सबसे उन्नत और आक्रामक एसआईपी रणनीति मानी जाती है। इसमें निवेशक हर साल अपनी एसआईपी राशि को एक निश्चित प्रतिशत के आधार पर बढ़ाता है। यह प्रतिशत 5, 10 या 15 फीसदी हो सकता है। मान लीजिए किसी निवेशक ने 10,000 रुपये की मासिक एसआईपी शुरू की और 10 फीसदी वार्षिक टॉप-अप चुना। ऐसे में अगले साल उसकी एसआईपी 11,000 रुपये होगी। दूसरे साल यह 12,100 रुपये और तीसरे साल 13,310 रुपये तक पहुंच जाएगी। यानी हर साल बढ़ी हुई राशि पर भी वृद्धि का लाभ मिलता है।

वैरिएबल टॉप-अप एसआईपी बेहतर क्यों

■ प्रतिशत आधारित वृद्धि ■ बढ़ी हुई राशि पर भी कंपाउंडिंग का लाभ ■ लंबी अवधि में सबसे अधिक फंड बनने की संभावना ■ बढ़ती आय वाले युवाओं के लिए उपयुक्त ■ महंगाई के प्रभाव को संतुलित करने में मदद

25 साल में कितना बन सकता है फंड

यदि कोई निवेशक 25 वर्षों तक हर महीने 10,000 रुपये से निवेश शुरू करता है तो तीनों एसआईपी विकल्पों में अंतिम फंड का आकार काफी अलग हो सकता है।

एसआईपी	कुल निवेश	
नॉर्मल	30 लाख रु.	2.27 करोड़ रु.
फिक्स्ड टॉप-अप	66 लाख रु.	3.44 करोड़ रु.
वैरिएबल	1.18 करोड़ रु	4.46 करोड़ रु

निवेशकों के लिए सही विकल्प क्या

सही एसआईपी रणनीति का चुनाव निवेशक की आय, वित्तीय लक्ष्यों और जोखिम लेने की क्षमता पर निर्भर करता है। यदि किसी व्यक्ति की आय सीमित है और वह निवेश को सरल रखना चाहता है तो नॉर्मल एसआईपी बेहतर विकल्प हो सकती है। वहीं जिन लोगों की आय हर साल बढ़ती है, उनके लिए फिक्स्ड टॉप-अप एसआईपी अधिक फायदेमंद साबित हो सकती है। दूसरी ओर युवा निवेशक, पेशेवर और तेजी से बढ़ती आय वाले लोग वैरिएबल टॉप-अप एसआईपी के जरिए लंबी अवधि में बड़ा कोष तैयार कर सकते हैं।

अलर्ट सही अवधि का चुनाव बढ़ा सकता है रिटर्न, सुरक्षित होगा भविष्य, ब्याज दर के साथ निवेश अवधि और वित्तीय लक्ष्य भी हैं अहम

सही एफडी का चुनाव बढ़ा सकता है आपकी कमाई और बचत

1, 3 या 5 साल... किस फिक्स्ड डिपॉजिट में मिलेगा ज्यादा मुनाफा? ब्याज दर, टैक्स और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रख करें निवेश

समझदारी
बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार की उठापटक के बीच यदि कोई निवेश विकल्प आज भी सबसे भरोसेमंद माना जाता है तो वह है फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी)। पूंजी की सुरक्षा और पहले से तय रिटर्न के कारण एफडी आज भी लाखों निवेशकों की पहली पसंद बनी हुई है। खासकर नौकरीपेशा, वरिष्ठ नागरिक और जोखिम से बचने वाले निवेशक एफडी को सुरक्षित निवेश मानते हैं। हालांकि एफडी में निवेश करते समय सबसे बड़ा सवाल यह होता है कि 1 साल, 3 साल या 5 साल में से किस अवधि की एफडी सबसे अधिक लाभ देगी।

इसका जवाब केवल ब्याज दरों में नहीं छिपा है। सही एफडी का चुनाव आपकी वित्तीय जरूरत, निवेश की अवधि, ब्याज दरों के रुझान और टैक्स प्लानिंग पर निर्भर करता है। वर्तमान में विभिन्न सरकारी, निजी और स्मॉल फाइनेंस बैंक अलग-अलग अवधि पर अलग ब्याज दरें दे रहे हैं। ऐसे में निवेश करने से पहले इनकी तुलना करना जरूरी हो जाता है।

1 साल की एफडी : कम समय के लिए बेहतर विकल्प

अगर आप अपना पैसा लंबे समय तक लॉक नहीं करना चाहते या निकट भविष्य में पैसों की जरूरत पड़ सकती है, तो 1 साल की एफडी आपके लिए बेहतर विकल्प हो सकती है। इस अवधि की एफडी में निवेशक को यह सुविधा मिलती है कि मैच्योरिटी के बाद वह उस समय की नई ब्याज दरों के अनुसार दोबारा निवेश कर सकता है। यदि भविष्य में ब्याज दरें बढ़ती हैं तो इसका फायदा भी आसानी से उठाया जा सकता है। वर्तमान में स्मॉल फाइनेंस बैंक इस अवधि में सबसे अधिक ब्याज दे रहे हैं। सूर्योदय स्मॉल फाइनेंस बैंक और उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक 1 साल की एफडी पर 7.25 प्रतिशत तक ब्याज दे रहे हैं, जबकि इक्विटास स्मॉल फाइनेंस बैंक 7.10 प्रतिशत की दर ऑफर कर रहा है। निजी बैंकों में यस बैंक 6.65 प्रतिशत, जबकि आईसीआईसीआई बैंक और एचडीएफसी बैंक 6.25 प्रतिशत ब्याज दे रहे हैं। सरकारी बैंकों में एसबीआई 6.25 प्रतिशत और बैंक ऑफ इंडिया 6.50 प्रतिशत तक ब्याज दे रहा है।

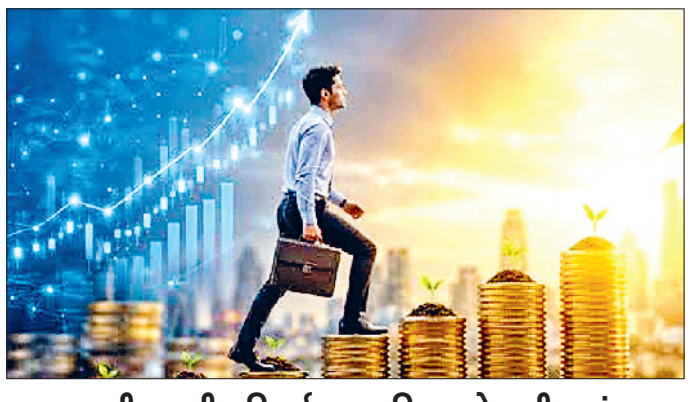

3 साल की एफडी : रिटर्न व अवधि का बेहतरीन संतुलन

जो निवेशक मध्यम अवधि के लिए निवेश करना चाहते हैं और बिना बहुत लंबा इंतजार किए अच्छा रिटर्न पाना चाहते हैं, उनके लिए 3 साल की एफडी आकर्षक विकल्प मानी जाती है। इस अवधि में कई बैंक 1 साल की तुलना में अधिक ब्याज दे रहे हैं। जन स्मॉल फाइनेंस बैंक, उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक और शिवालिक स्मॉल फाइनेंस बैंक 3 साल की एफडी पर 7.50 प्रतिशत तक ब्याज की पेशकश कर रहे हैं। वहीं आईडीएफसी फर्स्ट बैंक 7.35 प्रतिशत ब्याज दे रहा है। अगर सरकारी योजनाओं की बात करें तो पोस्ट ऑफिस की 3 वर्षीय टाइम डिपॉजिट योजना पर 7.10 प्रतिशत ब्याज मिल रहा है। निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक 6.45 प्रतिशत, जबकि एसबीआई 6.30 प्रतिशत ब्याज दर की पेशकश कर रहा है।

5 साल की एफडी : टैक्स बचत

यदि आपका उद्देश्य लंबी अवधि का निवेश करना है और साथ ही आयकर में बचत भी करनी है तो 5 साल की टैक्स-सेवर एफडी सबसे उपयुक्त विकल्प हो सकती है। आयकर अधिनियम की धारा 80सी के तहत इस एफडी में निवेश करने पर सालाना 1.5 लाख रुपये तक की टैक्स कटौती का लाभ लिया जा सकता है। 5 साल की अवधि में भी स्मॉल फाइनेंस बैंक सबसे अधिक ब्याज दे रहे हैं। सूर्योदय स्मॉल फाइनेंस बैंक 7.90 प्रतिशत, जन स्मॉल फाइनेंस बैंक 7.77 प्रतिशत और डीसीबी बैंक 7.50 प्रतिशत तक ब्याज दे रहे हैं। बड़े निजी बैंकों में आईसीआईसीआई बैंक 6.50% और एचडीएफसी बैंक 6.40% ब्याज की पेशकश कर रहे हैं। वहीं सरकारी बैंकों में एसबीआई 6.05 प्रतिशत, बैंक ऑफ इंडिया 6 प्रतिशत और पंजाब नेशनल बैंक 5.95 प्रतिशत ब्याज दे रहा है।

सीनियर सिटीजन को अतिरिक्त फायदा

लगभग सभी बैंक वरिष्ठ नागरिकों को सामान्य ग्राहकों की तुलना में 0.25 से 0.75 प्रतिशत तक अतिरिक्त ब्याज देते हैं। कई बैंक सुपर सीनियर सिटीजन के लिए भी विशेष ब्याज दरें लागू करते हैं। इसलिए वरिष्ठ नागरिकों को निवेश से पहले बैंक की विशेष एफडी योजनाओं की जानकारी अवश्य लेनी चाहिए।

सिर्फ ब्याज दर देखकर फैसला न करें

निवेश विशेषज्ञों का मानना है कि एफडी चुनते समय केवल सबसे अधिक ब्याज दर पर ध्यान देना सही रणनीति नहीं है। बैंक की विश्वसनीयता, जमा राशि की सुरक्षा, समय से पहले निकासी के नियम, ब्याज भुगतान का विकल्प और आपकी वित्तीय जरूरत भी उतनी ही महत्वपूर्ण हैं। यदि निवेश की अवधि कम है तो 1 साल की एफडी बेहतर हो सकती है, जबकि मध्यम अवधि के लक्ष्य के लिए 3 साल और टैक्स बचत व लंबी अवधि के लिए 5 साल की एफडी अधिक उपयोगी साबित हो सकती है।

किसके लिए कौन-सी एफडी?

1 साल की एफडी
- कम अवधि का निवेश
- पैसों की जल्द जरूरत होने की संभावना
- ब्याज दर बढ़ने पर दोबारा निवेश का अवसर

3 साल की एफडी
- बेहतर रिटर्न और संतुलित अवधि
- मध्यम अवधि के वित्तीय लक्ष्य
- जोखिम कम, रिटर्न अपेक्षाकृत बेहतर

5 साल की एफडी
- लंबी अवधि का सुरक्षित निवेश
- धारा 80सी के तहत टैक्स बचत
- भविष्य के बड़े वित्तीय लक्ष्यों के लिए उपयुक्त

निवेश टिप्स

- निवेश का उद्देश्य और अवधि पहले तय करें।
- विभिन्न बैंकों की ब्याज दरों की तुलना करें।
- केवल अधिक ब्याज के बजाय बैंक की विश्वसनीयता भी देखें।
- टैक्स बचत चाहिए तो 5 साल की टैक्स-सेवर एफडी चुनें।
- वरिष्ठ नागरिक अतिरिक्त ब्याज दर का लाभ अवश्य लें।
- मैच्योरिटी के बाद राशि का पुनर्निवेश करने की योजना पहले से बनाएं।

युवाओं को नशे से बचाएं, अच्छी शिक्षा दिलाकर काबिल बनाएं

संत किसी एक समाज या जाति के नहीं, सर्व समाज के होते हैं: गंगवा

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

प्रदेश के लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने शनिवार को संत शिरोमणि कबीर दास जी की जयंती के उपलक्ष में ढाणी गारण(हंसनगर) में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। इस दौरान उन्होंने बीसी चौपाल में 11 लाख रुपये की लागत से बने नव-निर्मित शेड तथा बीसी चौपाल में नवनिर्मित हॉल का विधिवत लोकार्पण कर ग्रामीणों को समर्पित किया।

अपने संबोधन में कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने संत शिरोमणि कबीर के जीवन एवं उनके संदेशों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनके विचार सामाजिक समरसता, समानता और मानवता की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि संत महापुरुष किसी एक समाज या जाति के नहीं होते वे सर्व समाज के होते हैं। उनकी जयंतियां मनाया जाना तभी सार्थक होगा जब हम गुरु महाराज की शिक्षाओं पर भी चले। नशे जैसी बुराइयों से अपने युवाओं को बचाएं और उन्हें अच्छी शिक्षा दिलाकर उन्हें काबिल बनाए। जल्द ही क्षेत्र में एसटीपी बनाया जाएगा कैबिनेट मंत्री रणवीर गंगवा ने कहा कि बरवाला विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। ढाणी गारण में अच्छी सड़के बनवाई गई है। इसके अलावा सीवरेज लाइन भी मंजूर कर दी गई है। जल्द ही क्षेत्र में एसटीपी बनाया जाएगा। कैबिनेट मंत्री ने चौपाल के लंबित कार्यों को भी पूरा करवाने की घोषणा की। उन्होंने बताया कि पास के गांव ढाणी खान बहादुर में एक अलग से जल घर को भी मंजूर कर दिया गया है। इससे क्षेत्र में जलापूर्ति की व्यवस्था में सुधार होगा।

इस अवसर पर चेयरमैन प्रवीण सैनी, पूर्व चेयरमैन सतबीर वर्मा, रणधीर धीरू, सुंदर बंसल, रोहतास, सरपंच सोनू रामनिवास आदि मौजूद रहे।

बरवाला। संत कबीर जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा। फोटो: हरिभूमि

वाटर वर्क्स का किया निरीक्षण

कार्यक्रम के दौरान मंत्री रणबीर गंगवा ने गांव के वाटर वर्क्स का भी निरीक्षण किया। उन्होंने पेयजल आपूर्ति व्यवस्था का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि ग्रामीणों को स्वच्छ एवं पर्याप्त पेयजल उपलब्ध करवाने में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने जलापूर्ति व्यवस्था के रखरखाव तथा आवश्यक सुधार कार्य समयबद्ध ढंग से पूरा करने के निर्देश भी दिए। कार्यक्रम के उपरांत उन्होंने ग्रामीणों की समस्याएं भी सुनीं तथा संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

संत कबीर के दिखाए मार्ग पर चलने का आह्वान

चौधरीवास में विधायक रणधीर पनिहार ने विकास कार्यों का किया शिलान्यास

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

संत शिरोमणि कबीर दास जी की जयंती के उपलक्ष्य में गांव चौधरीवास में शनिवार को एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नलवा विधायक रणधीर पनिहार ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। इस अवसर पर विधायक रणधीर पनिहार ने लगभग 11 लाख रुपये की लागत से बनने वाले शेड तथा 4 लाख रुपये की लागत से कबीर छात्रावास के निर्माण कार्यों का शिलान्यास किया। अपने संबोधन में विधायक रणधीर पनिहार ने संत शिरोमणि कबीर दास जी के जीवन, विचारों एवं शिक्षाओं पर प्रकाश डालते हुए उपस्थित जनों से उनके बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि संत कबीर ने सामाजिक समरसता, भाईचारे और मानवता का संदेश दिया, जो आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार नलवा विधानसभा क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास कार्य करवा रही है। क्षेत्र में लगभग 1 करोड़ 25 लाख रुपये की लागत से खेतों के रास्तों का निर्माण कराया गया है।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर अशोक लखेरा, जोगीराम खुंडिया, रोहतास गावड़, रामबीर फौजी, सत्यम धीरनवास, कुलदीप गोरछी, राजकुमार, रोहतास नागर, अनिल मास्टर सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

चार आरोपी जांच में किए गए शामिल

हिसार। पुलिस ने ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर लाखों रुपये की ठगी के मामले में चार आरोपियों को जांच में शामिल किया है। जांच अधिकारी उप निरीक्षक जितेंद्र ने बताया कि शिकायतकर्ता ने बताया कि वर्ष 2025 में उसे सोशल मीडिया के माध्यम से एक ऑनलाइन ट्रेडिंग एप्लीकेशन की जानकारी मिली। अधिक मुनाफे का लालच देकर उसे टेलीग्राम ग्रुप से जोड़ा गया, जहां किश्तों में उससे बड़ी राशि जमा करवाई गई। जब उसने जमा राशि वापस निकालने को कहा तो आरोपी टालमटोल करने लगे।

रविन्द्र बने अध्यक्ष व शिवदान सचिव

हिसार। भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध अनुबंधित विद्युत कर्मचारी संघ हरियाणा की बैठक 33 केवी सब स्टेशन अग्रोहा मेडिकल में हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष सुमित शर्मा ने की, जबकि संचालन जिला सचिव विकास बैनीवाल ने किया। बैठक में जिला अध्यक्ष सुमित शर्मा ने अग्रोहा सब डिवीजन की नई कार्यकारिणी की घोषणा करते हुए रविन्द्र को अध्यक्ष, शिवदान को सचिव, मनदीप को कोषाध्यक्ष तथा अनिल को संगठन मंत्री नियुक्त किया।

हांसी में हरियाणा कृषि यंत्र निर्माता एसोसिएशन की जनरल बॉडी की हुई बैठक

प्राकृतिक खेती अपनाएं किसान, बढ़ेगी आय, सुधरेगा अगली पीढ़ी का भविष्य

- किसानों से रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम करने की अपील

हरिभूमि न्यूज ⏭ हांसी

प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण, पशुपालन तथा मत्स्य पालन मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि प्राकृतिक खेती समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। इससे न केवल किसानों की लागत घटेगी और आय बढ़ेगी, बल्कि मिट्टी की उर्वरता, पर्यावरण तथा आने वाली पीढ़ियों का स्वास्थ्य भी सुरक्षित रहेगा। उन्होंने किसानों से रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम कर प्राकृतिक खेती की ओर कदम बढ़ाने का आह्वान किया।

कृषि मंत्री शनिवार को हांसी के सुखराज होटल में आयोजित हरियाणा कृषि यंत्र निर्माता एसोसिएशन की जनरल बॉडी बैठक को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत कृषि प्रधान देश है और हरियाणा ने आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाकर देश में अपनी अलग पहचान बनाई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में किसानों की आय बढ़ाने, कृषि को लाभकारी बनाने तथा विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। कृषि मंत्री ने कहा कि रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग से मिट्टी के लाभकारी जीवाणु नष्ट हो रहे हैं, जिससे भूमि की उर्वरता प्रभावित हुई है। उन्होंने किसानों को मिट्टी की नियमित जांच करवाकर आवश्यकता के अनुसार ही उर्वरकों का उपयोग करने की सलाह दी। उन्होंने प्राकृतिक खेती की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जीवामृत, गोबर और स्थानीय संसाधनों के उपयोग से तैयार जैविक घोल मिट्टी में लाभकारी जीवाणुओं की संख्या बढ़ाते हैं, जिससे पौधों को प्राकृतिक रूप से पोषक तत्व मिलते हैं और रासायनिक खाद पर खर्च कम होता है। इससे किसानों का लाभ बढ़ता है। सरकार का लक्ष्य वर्ष 2047 तक हरियाणा की बड़ी कृषि भूमि को प्राकृतिक खेती की ओर ले जाना है। इससे नागरिकों को रसायन मुक्त खाद्यान्न उपलब्ध होगा और स्वास्थ्य संबंधी जोखिम कम होंगे। कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने किसानों से पराली प्रबंधन, कृषि यंत्रीकरण, तकनीकों के उपयोग तथा सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने का आह्वान किया।

हांसी। हरियाणा कृषि यंत्र निर्माता एसोसिएशन की मीटिंग में मंचासीन कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा व अन्य। फोटो: हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष अशोक सैनी, विभाग से मीना बिंदल, सचिव जगजीत लाम्बा, अतिरिक्त निदेशक जेएस नैन व जेएस चौहान, तहसीलदार डॉ अनिल विधान, एईई नसीब धनखड़, डीएचओ डॉ. कुलदीप श्योराण, धर्मवीर सिंह ख्यालिया सहित अनेक हरियाणा कृषि यंत्र निर्माता एसोसिएशन के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

हांसी। सीबीएसई के क्षेत्रीय अधिकारी राजेश गुप्ता को ज्ञापन सौंपते प्राइवेट स्कूल संघ हांसी के पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

प्राइवेट स्कूल संघ ने शिक्षा विभाग सीबीएसई आरओ को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ हांसी

प्राइवेट स्कूल संघ हांसी के प्रतिनिधिमंडल ने संरक्षक अनिल कुमार गरसा की अध्यक्षता में पंचकूला स्थित शिक्षा सदन पहुंचकर शिक्षा विभाग की निदेशिका की अनुपस्थिति में उनके पीएस मुकेश सैनी को विभिन्न लंबित मामलों को लेकर ज्ञापन सौंपा। इसके साथ ही प्रतिनिधिमंडल ने राजेश गुप्ता से भी विभिन्न शैक्षणिक विषयों पर चर्चा की।

संघ के प्रधान रविंद्र अत्री ढण्ढेरी ने बताया कि पिछले वर्ष आरटीई की राशि जारी हुई थी, लेकिन शिक्षा विभाग की लापरवाही के कारण वह राशि लैप्स हो गई। उन्होंने कहा कि कई विद्यालयों के नाम एक जैसे होने के कारण ब्लॉक का सही निर्धारण नहीं हो पाया और समय पर राशि जारी नहीं की गई। स्कूल संचालक दिनेश कौशिक मेहंदा ने बताया कि चिराग योजना के तहत पढ़ रहे कई विद्यार्थियों के नाम सूची में शामिल नहीं होने के कारण संबंधित विद्यालयों को भुगतान नहीं मिल पाया। वहीं स्कूल निदेशक संदीप दुहन उमरा ने कहा कि पिछले कई वर्षों से 134-ए योजना की बकाया राशि भी अभी तक जारी नहीं की गई है। पीएस मुकेश सैनी ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि उनकी सभी मांगों पर उच्च अधिकारियों से चर्चा कर समाधान का हर संभव प्रयास किया जाएगा। ज्ञापन सौंपने के बाद प्रतिनिधिमंडल ने सीबीएसई के क्षेत्रीय अधिकारी राजेश गुप्ता से भी विभिन्न शैक्षणिक मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की।

पेड़ काटने और वित्तीय हानि के जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग

हिसार। धरने को संबोधित करते कर्मचारी नेता अजय दुहन। फोटो: हरिभूमि

हिसार। हरियाणा रोडवेज के हिसार डिपो में महाप्रबंधक की कार्यशैली व लंबित मांगों के हल के लिए आंदोलनरत कर्मचारियों का रोष थमने का नाम नहीं ले रहा है। कर्मचारियों द्वारा शुरू किया गया धरना शनिवार को लगातार 45वें दिन भी जारी रहा। इसकी अध्यक्षता अजय दुहन ने की, जबकि मंच संचालन पवन कनोह ने किया। इस अवसर पर डिपो के सैकड़ों कर्मचारी और सांझा संघर्ष समिति के पदाधिकारी भारी संख्या में मौजूद रहे। वक्ताओं ने कर्मचारियों की लंबित मांगों के साथ-साथ एक दिन पूर्व डिपो में सीएम फ्लाइंग द्वारा की गई अचानक छापेमारी पर विस्तार से चर्चा की। सीएम फ्लाइंग की इस कार्रवाई पर प्रतिक्रिया देते हुए साझा संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि छापेमारी से प्रतीत होता है कि डिपो में हुई कथित अनियमितताओं और वित्तीय मामलों की जांच अब शासन स्तर पर गंभीरता से की जा रही है। समिति ने प्रशासन से मांग की है कि जांच निष्पक्ष, पारदर्शी होनी चाहिए। कर्मचारियों ने दो टूक कहा कि यदि जांच में किसी भी प्रकार की वित्तीय अनियमितता या घोटाला सामने आता है, तो इसके लिए जिम्मेदार अधिकारी की तुरंत पहचान कर उसके खिलाफ नियमानुसार सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इस अवसर पर मुख्य रूप से संदीप जैनावास, जोगेंद्र पंघाल, कर्मबीर मसूदपुर, जितेंद्र शर्मा, दर्शन जांगड़ा, बजरंग लाखा, अरुण शर्मा, अमित जुगलान, अनूप श्योकद, नरेंद्र खरड़ आदी मौजूद रहे।

सी. जयाश्रद्धा ने संभाला कार्यभार

हिसार। आईएएस अधिकारी सी. जयाश्रद्धा ने नगर निगम आयुक्त का कार्यभार संभाल लिया है। शनिवार को कार्यालय पहुंचने पर अतिरिक्त निगमायुक्त डॉ. प्रदीप हुड्डा, डॉ. वीरेन्द्र सहारण, कार्यकारी अभियंता जयबीर डूडी, अमित कौशिक, एमई कर्मपाल सिंधू, अमित बेरवाल, सुनील लांबा, एसओ राधेश्याम, कार्यालय सहायक सुरेन्द्र वर्मा सहित कई जनप्रतिनिधियों ने उन्हें बुके भेंट कर स्वागत किया। इस अवसर पर पार्षद हरि सिंह सैनी, मोहित सिंघल, नवीन, सत्यवान पान्नू तथा पार्षद प्रतिनिधि प्रीतम सैनी और अनिल जैन भी मौजूद रहे। जयाश्रद्धा 2020 बैच की हरियाणा कैडर की आईएएस अधिकारी हैं। वह मूल रूप से तमिलनाडु की रहने वाली हैं। उन्होंने इससे पहले हिसार में एडीसी के रूप में सेवाएं दी है। उन्होंने कहा कि शहर में स्वच्छता को और बेहतर बनाना तथा विकास कार्यों को गति देना उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर जनहित से जुड़े कार्यों को प्रभावी ढंग से लागू करने की प्रतिबद्धता जताई।

श्री कृष्णा प्रणामी पब्लिक स्कूल में कार्यशाला में दी एआई की जानकारी

हांसी। प्रशिक्षण शिविर में भाग लेते विद्यालय के शिक्षक। फोटो: हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭ हांसी

श्री कृष्णा प्रणामी पब्लिक स्कूल में सीटी और एआई में मूल्यांकन और शिक्षण-पद्धति विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य शिक्षकों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और कम्प्यूटेशनल थिंकिंग आधारित शिक्षण एवं मूल्यांकन की नवीन पद्धतियों से परिचित कराना था। कार्यशाला में गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय हिसार के रिसोर्स पर्सन डॉ. सुनील वर्मा ने मुख्य वक्ता के रूप में भाग लिया। इस प्रशिक्षण में विद्यालय के 44 शिक्षकों ने सहभागिता की। अपने संबोधन में डॉ. सुनील वर्मा ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तथा कम्प्यूटेशनल थिंकिंग आधारित शिक्षण, प्रभावी मूल्यांकन पद्धतियों और नवीन शिक्षण तकनीकों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने मध्य स्तर के विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए गतिविधि-आधारित शिक्षण, सतत एवं व्यापक मूल्यांकन तथा नवाचारपूर्ण शिक्षण तकनीकों को अपनाने पर बल दिया। विद्यालय प्राचार्य अनिल कुमार ने डॉ. सुनील वर्मा का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत एवं सम्मान किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएं शिक्षकों के व्यावसायिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं और बदलते शैक्षिक परिवेश में शिक्षकों को नवीन तकनीकों से अपडेट रखने में सहायक होती हैं।

शरीर सूक्ष्म व्यायाम, यौगिक जॉगिंग और प्राणायाम से बनता है सशक्त

- सेक्टर 1-4, स्थित पार्क में योग शिक्षक प्रशिक्षण एवं योग साधना शिविर में कराया गया अभ्यास

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

सेक्टर 1-4, हिसार स्थित पार्क में 23 जून से निरन्तर संचालित योग शिक्षक प्रशिक्षण एवं योग साधना शिविर के शनिवार के सत्र में पतंजलि प्रभारी वीरेन्द्र बड़ाला, बच्चों के योग प्रशिक्षक नरेन्द्र रतिरा तथा योग शिक्षक राजेश कुमार ने साधकों, महिलाओं, युवाओं एवं बच्चों को विभिन्न योगाभ्यासों का प्रशिक्षण प्रदान किया। योगाभ्यास में सूक्ष्म व्यायाम, यौगिक जॉगिंग, जॉगिंग, स्ट्रेचिंग तथा प्राणायाम का अभ्यास करवाया गया। प्रशिक्षकों ने बताया कि सूक्ष्म व्यायाम शरीर के जोड़ों को सक्रिय बनाकर जकड़न दूर करता है तथा रक्त संचार को सुचारु बनाता है। यौगिक जॉगिंग एवं जॉगिंग हृदय तथा फेफड़ों को मजबूत बनाकर शरीर की कार्यक्षमता और सहनशक्ति में वृद्धि करती है। स्ट्रेचिंग अभ्यास मांसपेशियों में लचीलापन लाकर शरीर को चुस्त-दुरुस्त बनाए रखते हैं, जबकि प्राणायाम मन को शांत, एकाग्र और सकारात्मक बनाकर तनाव, चिंता तथा अवसाद को दूर करने में सहायक सिद्ध होता है।

प्रवक्ता हिन्दुस्तानी ने कहा कि बच्चों को बचपन में ही योग से जोड़ दिया जाए तो उनका सम्पूर्ण जीवन स्वस्थ, अनुशासित एवं संस्कारित बन सकता है और माता-पिता का बुढ़ापा भी सुखद एवं आत्मनिर्भर हो जाता है। शिविर में बड़ी संख्या में सेक्टरवासी, महिलाएं, युवा एवं बाल योग साधक उत्साहपूर्वक सहभागी बने रहे तथा नियमित योगाभ्यास को अपनी दिनचर्या का अभिन्न अंग बनाने का संकल्प लिया।

हिसार : योगाभ्यास कराते प्रशिक्षक। फोटो: हरिभूमि

हिसार के पानी पर डाका बर्दाश्त नहीं: अनिल गोरछी

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

पगड़ी संभाल जट्टा किसान संघर्ष समिति, हरियाणा ने क्षेत्र में गहराते पेयजल और सिंचाई संकट को देखते हुए प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। समिति के राज्य कमेटी सदस्य व हिसार ब्लॉक-2 सचिव अनिल गोरछी ने पानी के मुद्दे पर सरकार को बड़े आंदोलन की चेतावनी दी है।

किसान नेता अनिल गोरछी ने कहा कि पहले ही नहरों की टेल (आखिरी छोर) तक पानी नहीं पहुंच रहा है। इसके बावजूद दो नहरों वाले शहर हांसी और जींद को बरवाला ब्रांच से पानी दे दिया गया है। इससे परेशानी बढ़ी है। हांसी-जींद के लोग भी हमारे भाई हैं और पानी पर सबका अधिकार है, हमें उन्हें पानी मिलने से कोई आपत्ति नहीं है लेकिन इसके लिए हिसार, बालसमंद और सिवानी क्षेत्र की माइनरों (राणा डिस्टीब्यूटर, मिर्जापुर, धांसू, जुगलान, सिवानी, नलवा, बुड़ाक, गोरछी, बासड़ा व कबीर माइनर) का पानी काटना पूरी तरह अन्यायपूर्ण है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही पीछे से पानी की मात्रा बढ़ाकर स्थानीय सप्लाई बहाल नहीं की गई, तो जिला स्तर पर बड़ा आंदोलन शुरू होगा, जिसकी जिम्मेदारी सरकार व प्रशासन की होगी।

कवायद एचएयू व सीआईबीए, चेन्नई (आईसीएआर) के बीच हुआ समझौता

कृषि क्षेत्र में अनुसंधान और तकनीकी विकास को मिलेगा बढ़ावा

खारे पानी एवं जलभराव वाले क्षेत्रों में अब मत्स्य पालन को मिलेगा बढ़ावा

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अंतर्गत कार्यरत सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ ब्रैकिशवॉटर एक्वाकल्चर (सीआईबीए), चेन्नई के बीच मत्स्य पालन एवं जलीय कृषि के क्षेत्र में अनुसंधान, तकनीकी सहयोग तथा किसानों के प्रशिक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। समझौते पर हकृवि की ओर से अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग तथा मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ रमेश यादव ने जबकि सीआईबीए, चेन्नई की ओर से निदेशक डॉ. कुलदीप लाल एवं प्रधान वैज्ञानिक डॉ. प्रसन्ना कुमार पाटिल ने हस्ताक्षर किए। किसानों की आय में वृद्धि और रोजगार के अवसर भी होंगे उपलब्धः प्रो काम्बोज कुलपति प्रो बीआर काम्बोज ने बताया कि हरियाणा के अनेक क्षेत्रों में जलभराव (वाटर लॉगिंग) तथा भूमिगत खारे पानी (अंडरग्राउंड सलाइन वॉटर) की समस्या के कारण कृषि उत्पादन प्रभावित होता है। ऐसे क्षेत्रों में पारंपरिक खेती आर्थिक रूप से लाभकारी नहीं रह जाती। अब इस समझौते के माध्यम से अनुपयोगी/कम उत्पादक भूमि क्षेत्रों को मत्स्य पालन के लिए उपयोग में लाने की दिशा में वैज्ञानिक प्रयास किए जाएंगे।

हिसार। समझौते के दौरान कुलपति एवं अन्य। फोटो: हरिभूमि

मत्स्य पालक क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण कदम

अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि हकृवि और सीआईबीए के बीच यह सहयोग हरियाणा में मत्स्य पालन क्षेत्र के विकास, तकनीकी नवाचार तथा किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजेश गेरा, डॉ. आरके गुप्ता, डॉ. दिलीप बिश्नोई, डॉ. नितीश बंसल, डॉ. अनुराग व संस्थान के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

एचपीएससी की मनमानी सहन नहीं होगी : सकसं

हिसार। हरियाणा लोक सेवा आयोग (एचपीएससी) के खिलाफ पिछले छह माह से शांतिपूर्ण धरना दे रहे अभ्यर्थियों पर प्रशासन की कार्रवाई की सर्व कर्मचारी संघ ने कड़ी निंदा की है। संघ ने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों पर सीधा हमला और सरकार की मनमानी कार्यशैली का परिचायक बताया है। सर्व कर्मचारी संघ के जिला प्रधान अशोक सैनी, जिला सचिव ओम प्रकाश माल और वित्त सचिव पवन कुमार ने कहा कि सरकार ने उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार करने के बजाय 26 जून की शाम धरना स्थल खाली करने का नोटिस जारी किया और देर रात टेंट हटाकर प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया। संघ ने चेतावनी दी कि यदि सरकार लोकतांत्रिक आंदोलनों का दमन करती रही और वार्ता के माध्यम से समाधान नहीं निकाला गया, तो आंदोलन शुरू करेंगे।

खबर संक्षेप

सट्टा खाईवाली करते एक काबू, 15,100 बरामद

हांसी। सीआईए-1 हांसी की टीम ने सट्टा खाईवाली करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान चार कुतुब गेट निवासी शंकर के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके कब्जे से 15,100 की नकदी, सट्टा पर्ची और अन्य सामान बरामद किया है। एसआई सम्मत सिंह ने बताया कि गश्त एवं अपराध रोकथाम के दौरान सूचना मिली थी कि रेलवे रोड़ स्थित साई कॉलोनी में एक व्यक्ति अवैध रूप से सट्टा खाईवाली का कार्य कर रहा है सूचना अनुसार पुलिस टीम ने मौके पर दबिश देकर आरोपी को काबू कर तलाशी लेने पर आरोपी के कब्जे से सट्टा पर्ची, बॉल पेन तथा15,100 की नकदी बरामद हुई।

स्वेट टीम ने दो स्थानों से अवैध शराब बरामद की

हिसार। पुलिस की स्वेट टीम ने दो अलग-अलग स्थानों से भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद की है। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार स्वेट टीम ने गांव चिकनवास में चेकिंग के दौरान गांव के राजेंद्र के घर पर दबिश दी। तलाशी के दौरान पुलिस ने विभिन्न मार्का की 84 बोतल अवैध शराब बरामद की। इसी अभियान के दौरान गांव ठसका में अंगूरी नामक महिला के घर की तलाशी लेने पर 21 बोतल अवैध देसी शराब बरामद हुई। दोनों मामलों में आरोपियों को गिरफ्तार करके केस दर्ज कर लिए गए हैं।

फरार एक्सईएन को निलंबित करने की मांग

हांसी। रिश्वत मामले में फरार चल रहे नगर निगम के कार्यकारी अभियंता विक्की कुमार को तुरंत निलंबित करने की मांग उठी है। शिकायतकर्ता कुलदीप भुक्कल ने मुख्य सचिव हरियाणा सरकार, चंडीगढ़ के साथ-साथ आयुक्त नगर निगम गुरुग्राम व आयुक्त नगर निगम हिसार को पत्र लिखकर तत्काल कार्रवाई की मांग की है। कुलदीप भुक्कल ने बताया कि 23 जून को कार्यकारी अभियंता विक्की कुमार ने मॉनिटरिंग रिपोर्ट पर हस्ताक्षर करने के एवज में रिश्वत मांगी थी। इस संबंध में एसीबी हिसार रेंज ने 24 जून को मुकदमा दर्ज किया है। विक्की कुमार के खिलाफ प्रिवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट 1988 की धारा 7 व 7ए के तहत केस दर्ज हुआ है। शिकायत के बाद से ही कार्यकारी अभियंता विक्की कुमार 24 जून से भूमिगत है। एसीबी की टीमें लगातार उसके संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं।

विनय सैनी के नाम 100 से अधिक अमेरिकी पेटेंट नाम, वैश्विक सफलता के बाद अपनी लिखी पुस्तकें गुजवि को कीं भेंट

गुजवि के पूर्व छात्र विनय सैनी ने वैश्विक स्तर पर गाड़े झंडे एआई और साइबर सुरक्षा में वैश्विक स्तर पर कर रहे नेतृत्व

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने बताया की किसी भी विश्वविद्यालय की वास्तविक पहचान उसके पूर्व विद्यार्थियों की उपलब्धियों से होती है

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के प्रथम बैच (2001-2005) के पूर्व विद्यार्थी विनय सैनी ने अपने उत्कृष्ट कार्यों, नवाचार और वैश्विक स्तर पर तकनीकी नेतृत्व के माध्यम से विश्वविद्यालय का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। इस अवसर पर विनय सैनी ने अपने द्वारा लिखित पुस्तकों की हस्ताक्षरित प्रतियां कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग को भेंट कीं। यह पहल विद्यार्थियों को प्रेरित करने तथा उन्हें नवीनतम तकनीकी ज्ञान से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

सिसको सिस्टम्स में प्रिंसिपल आर्किटेक्ट के रूप में कार्यरत

विनय सैनी अपने बैच के पहले ऐसे विद्यार्थी रहे जिन्होंने विश्वविद्यालय से पहला प्लेसमेंट प्राप्त किया और इसके बाद उन्होंने इस उपलब्धि को 20 से अधिक वर्षों की प्रेरणादायक पेशेवर यात्रा में परिवर्तित किया। वर्तमान में वे सिसको सिस्टम्स में प्रिंसिपल आर्किटेक्ट के रूप में कार्यरत हैं, जहां वे नेटवर्किंग, क्लाउड, साइबर सुरक्षा, आईओटी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं एआई सिक्योरिटी जैसे क्षेत्रों में वैश्विक स्तर पर तकनीकी रणनीतियों का नेतृत्व कर रहे हैं तथा जटिल तकनीकी समाधानों का विकास कर रहे हैं।

100 से अधिक अमेरिकी पेटेंट दर्ज

विनय सैनी के नाम 100 से अधिक अमेरिकी पेटेंट दर्ज हैं, जो उनके नवाचार और तकनीकी योगदान का प्रमाण हैं। उन्होंने कई तकनीकी एवं करियर मार्गदर्शन से संबंधित पुस्तकों का लेखन किया है तथा वैश्विक स्तर की सर्टिफिकेशन के विकास में भी योगदान दिया है। वे अंतर्राष्ट्रीय तकनीकी सम्मेलनों में एक प्रतिष्ठित वक्ता के रूप में अपनी पहचान बना चुके हैं और क्वांटम कंप्यूटिंग, एआई सिक्योरिटी तथा एजेंटिक एआई जैसे उभरते क्षेत्रों में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं।

कुलपति व विभागाध्यक्ष ने जताई प्रसन्नता

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने विनय सैनी की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि किसी भी विश्वविद्यालय की वास्तविक पहचान उसके पूर्व विद्यार्थियों की उपलब्धियों से होती है। कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष प्रो. ओम प्रकाश सांगवान ने कहा कि विभाग के प्रथम बैच के विद्यार्थी द्वारा इस स्तर की उपलब्धियां हासिल करना पूरे विभाग के लिए अत्यंत गर्व का विषय है।

चानौत के ग्रामीणों ने तकनीकी मैनुअल सार्वजनिक कर सरकार को घेरा

सरकारी दावों को चुनौतीः अमृत-2 योजना में 'टी-कनेक्शन' का प्रावधान

ग्रामीणों ने जनस्वास्थ्य मंत्री की चुनौती की स्वीकार, दस्तावेजों के साथ सरकार के दावों को दी चुनौती

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हांसी

भाखड़ा पाइपलाइन से पीने के पानी का टी-कनेक्शन देने की मांग पर चानौत गांव में चल रहा जल आंदोलन ने उस समय नया मोड़ ले लिया जब ग्रामीणों ने गांव में प्रेस कॉन्फ्रेंस करके सरकारी दस्तावेजों और तकनीकी मैनुअल के आधार पर हरियाणा सरकार के उन दावों को चुनौती दी, जिनमें कहा गया था कि अमृत-2 योजना के तहत किसी भी गांव को मुख्य पाइपलाइन से बीच में टी-कनेक्शन देने का कोई प्रावधान नहीं है। शनिवार को आंदोलन के 43वें दिन ग्रामीणों ने दस्तावेज पेश करके मंत्री के बयानों को झूठा बताया। पानीपत के अधिवक्ता विजय कुमार ने इस अवसर पर कहा कि जनस्वास्थ्य मंत्री रणबीर सिंह गंगवा ने हाल ही में बयान दिया था कि यदि अमृत-2 योजना के तहत किसी भी राज्य में मुख्य पाइपलाइन से किसी गांव को बीच में जलापूर्ति किए जाने का उदाहरण प्रस्तुत कर दिया जाए तो सरकार चानौत गांव को भी टी-कनेक्शन देने पर विचार करेगी। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों ने मंत्री की इस चुनौती को स्वीकार करते हुए संबंधित सरकारी दस्तावेज और तकनीकी मैनुअल सार्वजनिक किए हैं।

हांसी। पत्रकार वार्ता के दौरान अमृत-2 योजना में गांव को पेयजल आपूर्ति की जानकारी देते एडवोकेट विजय कुमार। *फोटो : हरिभूमि*

पाइपलाइन मार्ग से गांवों को मिलेगा पेयजल

एनवायरमेंटल इंजीनियरिंग ऑर्गेनाइजेशन के आधिकारिक मैनुअल में अमृत योजना के अंतर्गत एनरूट विलेज अर्थात पाइपलाइन के मार्ग में आने वाले गांवों को पेयजल उपलब्ध कराने का स्पष्ट प्रावधान किया गया है। उन्होंने बताया कि मैनुअल के अध्याय-16 के पृष्ठ 862 में उल्लेख है कि शहरी जलापूर्ति परियोजनाओं की योजना इस प्रकार बनाई जानी चाहिए कि रास्ते में पड़ने वाले गांवों को भी पेयजल उपलब्ध कराया जा सके। वहीं सरकार द्वारा पाइपलाइन के दबाव पर असर पड़ने की आशंका जताए जाने पर उन्होंने मैनुअल के पृष्ठ 865 का हवाला देते हुए कहा कि जोनल बैलेंसिंग रिजर्वायर जैसी तकनीक के माध्यम से गांवों को पानी उपलब्ध कराया जा सकता है, जिससे मुख्य पाइपलाइन के प्रेशर पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता।

ग्रामीणों ने दस्तावेज पेश करके मंत्री के बयान झूठे बताए

ग्रामीणों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कर्नाटक सरकार के दस्तावेज भी प्रस्तुत किए। उनका दावा है कि अमृत-2 योजना के तहत करंजा रिजर्वायर से औराद टाउन तक जाने वाली पाइपलाइन से मार्ग में पड़ने वाले छह गांवों तथा कमलनगर गांव को नियमित रूप से पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। उनका कहना है कि यदि केंद्र सरकार की इसी योजना के तहत कर्नाटक में यह व्यवस्था लागू है तो हरियाणा के चानौत गांव को टी-कनेक्शन देने से इनकार करना उचित नहीं है।

धरने को मिला खापों का समर्थन

हांसी। पत्रकार वार्ता को संबोधित करते विभिन्न खापों के प्रधान व प्रतिनिधि।

हांसी। बरवाला रोड स्थित गांव चानौत में भाखड़ा पेयजल पाइपलाइन से टी-कनेक्शन की मांग पर ग्रामीणों के धरने के 43वें दिन अनेक खाप प्रतिनिधि मौके पर पहुंचे और धरने का समर्थन किया। ग्रामीण अपनी मांगों पर धरनास्थल पर डटे रहे और सरकार से जल्द समाधान की मांग की। इधर, हांसी लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) विश्रामगृह में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान हांसी, हिसार, भिवानी और जींद जिले की करीब 20 खापों के प्रतिनिधियों ने चानौत जल आंदोलन को अपना समर्थन देने की घोषणा की। खाप प्रतिनिधियों ने कहा कि चानौत के ग्रामीण अपनी मूलभूत आवश्यकता पेयजल के लिए शांतिपूर्ण संघर्ष कर रहे हैं। उनकी मांग पूरी तरह न्यायसंगत है और सरकार को बिना किसी देरी के गांव को भाखड़ा पाइपलाइन से टी-कनेक्शन देकर स्थायी पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए। खाप नेताओं ने कहा कि यदि सरकार ने जल्द समाधान नहीं निकाला तो 24 खापें आंदोलन के साथ मजबूती से खड़ी रहेंगी और आगे की रणनीति भी सामूहिक रूप से तय की जाएगी। उन्होंने प्रशासन से बातचीत के जरिए विवाद का समाधान निकालने और ग्रामीणों की मांगों को स्वीकार करने की अपील की। धरना स्थल पर मौजूद ग्रामीणों ने भी स्पष्ट किया कि जब तक चानौत गांव की पेयजल समस्या का स्थायी समाधान नहीं होता और टी-कनेक्शन नहीं दिया जाता, तब तक उनका आंदोलन लगातार जारी रहेगा। रोही खाप के प्रधान सुमेर सिंह ने आरोप लगाया कि सरकार की भूमिका शुरू से ही संदेह के घेरे में है। उन्होंने कहा कि पहले भाखड़ा पाइपलाइन पर टी-कनेक्शन लगवाया गया और बाद में भारी पुलिस बल की मौजूदगी में उसे उखाड़ दिया गया। उन्होंने सवाल किया कि यदि सोमेश सरकार की ओर से भेजा गया व्यक्ति था तो स्पष्ट किया जाए कि वह किन-किन लोगों के संपर्क में था और टी-कनेक्शन कहां से लाया गया।

रात के अंधेरे में पशु बाड़ा तोड़ कर हो गए फरार

नारनौंद। भैणी अमीरपुर के पास तोड़ा गया पशुबाडा। *फोटो : हरिभूमि*

- करीब डेढ़ माह पूर्व दी थी जान से मारने की धमकी, पुलिस पर कार्रवाई न करने का आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौंद

जींद हांसी सड़क मार्ग पर गांव भैणी अमीरपुर के पास खेतों में बने एक कमरे ओर पशुबाड़े को तोड़ने को लेकर पीड़ित ने पुलिस में शिकायत दी है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही हैं। अभी तक इस मामले में कोई केश दर्ज नहीं हुआ है। गांव भैणी अमीरपुर निवासी राजबीर और उसकी पत्नी कमलेश ने पुलिस में शिकायत देकर आरोप लगाया है कि शुक्रवार की रात को षड्यंत्र रच कर कुछ लोगों ने उनके खेत में बने एक कमरे तथा पशुबाड़े को बुरी तरह से तोड़ दिया और मौके से फरार हो गए। गत 12 मई को उनके गांव के ही कुछ लोगों ने जान से मारने की धमकी भी दी थी। इसकी शिकायत भी पुलिस को दी थी। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। इस बार हमें घर निकलने और जान से मारने की धमकियां दी जा रही हैं। सभी आरोपित हमारे प्लाट पर कब्जा करना चाहते हैं। हमारे परिवार को जान ओर माल का खतरा बना हुआ है।

आरोपों को झूठा बताया

दूसरे पक्ष के युवकों के साथ बातचीत की गई बताया कि उन पर झूठे आरोप लगाए जा रहे हैं। किसी ने भी वहां पर जाकर एक भी ईंट को हाथ नहीं लगाया। तोड़ना तो दूर की बात है। वो जमीन हमने 2016 में दिलबाग से खरीदी हुई है। उक्त लोगों द्वारा बार बार पुलिस में शिकायत देकर हमे बेवजह से परेशान किया जा रहा है।

मामले की गहनता से जांच जारी

थाना प्रभारी रमेश कुमार ने बताया कि पशुबाड़ा तोड़ने की शिकायत मिली है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही हैं। जो भी आरोपित होंगे उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

चोरीशुदा मोटरसाइकिल सहित आरोपी गिरफ्तार

हिसार। मोहल्ला डोगरान पुलिस चौकी ने मोटरसाइकिल चोरी के मामले का में एक आरोपी को गिरफ्तार कर चोरीशुदा मोटरसाइकिल बरामद की है। जांच अधिकारी एएसआई मदन लाल ने बताया कि उदयपुरिया मोहल्ला निवासी बृजेश कंसल ने शिकायत दी थी कि 22 जून को उसने अपनी सफेद रंग की अपाचे मोटरसाइकिल अपने घर के सामने खड़ी की थी, जिसे कोई चोरी कर ले गया।

ओएसजीयू ने किया मेधावियों को सम्मानित

- चांसलर डॉ पुनीत गोयल ने विद्यार्थियों को दी बधाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हिसार। मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित करते अतिथिगण।

ओम स्टर्लिंग ग्लोबल विश्वविद्यालय (ओएसजीयू) और गरिमा फाउंडेशन के सौजन्य से अरोडवंश धर्मशाला, फतेहाबाद में एक भव्य प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में हर वर्ष की तरह इस बार भी 12वीं कक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

विश्वविद्यालय के चांसलर डॉ पुनीत गोयल और प्रो चांसलर डॉ पूनम गोयल ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मेधावी विद्यार्थियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य कि कामना की। कार्यक्रम के दौरान फतेहाबाद और आस पास के क्षेत्रों से लगभग 410 विद्यार्थियो ने हिस्सा लिया।

विश्वविद्यालय के गणमान्य अधिकारियों द्वारा मेधावी विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र व स्मृति चिन्ह दिए गए। इसके अलावा कार्यक्रम में विद्यार्थियों का बहुमूल्य मार्गदर्शन भी किया गया कि वे अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार अपने करियर की दिशा तय कर सके। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एन पी कौशिक व ग्रुप सीओओ एंड प्रोवोस्ट डॉ. अजय कुमार पोद्दार ने विद्यार्थियों को प्रेरणादायक संदेश देते दिए और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

बिजली के लंबे कटों ने गर्मी से जनता का जीना मुहाल : चौहान

हिसार। भयंकर गर्मी के बीच आमजन बिजली की लंबे-लंबे के कटों से परेशान है। एक ओर जहां भीषण गर्मी पड़ रही है वहीं बिजली के लंबे कटों ने गर्मी से जनता का जीना मुहाल हो गया है। यह बात पूर्व निगम पार्षद एवं युवा इनेलो नेता मान सिंह चौहान एडवोकेट ने कही। मान सिंह चौहान ने 24 घंटे बिजली उपलब्ध करवाने के सरकार के बड़े-बड़े दावे फेल साबित हो चुके हैं। बिजली के कटों के कारण लोगों के घरों में पानी की सप्लाई भी बाधित हो रही है। शहर के अनेक क्षेत्रों में पानी की भारी किल्लत है और लोगों को अपने घरों में पानी के लिए पानी के टैंकरों व अन्य स्त्रोतों पर निर्भर रहना पड़ रहा है।

सीएम फ्लाइंग ने ओवरलोड वाहनों पर कसा शिकंजा

- टीम ने 10 वाहनों पर किया साढ़े पांच लाख रुपये से अधिक का जुर्माना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हिसार। चैकिंग अभियान के दौरान सीएम फ्लाइंग टीम। *फोटो : हरिभूमि*

सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने और यातायात नियमों का सख्ती से पालन करवाने के उद्देश्य से सीएम फ्लाइंग ने विशेष चेकिंग अभियान चलाकर ओवरलोड एवं नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। अभियान के दौरान 10 वाहनों के चालान किए गए तथा विभिन्न अनियमितताओं के चलते कुल 5 लाख 50 हजार 500 रुपये का जुर्माना लगाया गया। इस विशेष अभियान का नेतृत्व सीएम फ्लाइंग हिसार रेंज इंचार्ज सुनैना ने किया। उनके साथ क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण (आरटीए) के यातायात निरीक्षक हरविंदर सिंह, एसआई कृष्ण कुमार, एएसआई सुरेंद्र तथा हेड कांस्टेबल विजय सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। सीएम फ्लाइंग हिसार रेंज इंचार्ज सुनैना ने शनिवार को बताया कि टीम को लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि कुछ वाहन चालक ओवरलोड वाहन चलाकर सड़क सुरक्षा को खतरे में डाल रहे हैं। इसके अलावा टैक्स चोरी, वैध बीमा, प्रदूषण प्रमाण-पत्र और अन्य आवश्यक दस्तावेजों के बिना वाहन संचालन जैसी अनियमितताओं की भी सूचना प्राप्त हुई थी। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए शनिवार सुबह हिसार क्षेत्र के विभिन्न प्रमुख मार्गों पर विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया।

वाहनों के दस्तावेजों और वजन की हुई गहन जांच

अभियान के दौरान अधिकारियों ने वाहनों के रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट (आरसी), ड्राइविंग लाइसेंस, बीमा, प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण-पत्र (पीयूसी), टैक्स भुगतान से संबंधित दस्तावेज तथा वाहनों में लदे माल की चौड़ाई और वजन की भी बारीकी से जांच की। जांच में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 10 वाहनों के मौके पर ही चालान किए गए। इन वाहनों पर ओवरलोडिंग, तेज गति से वाहन चलाने, आवश्यक दस्तावेजों की कमी तथा अन्य परिवहन नियमों के उल्लंघन के मामले पाए गए। चालानों के रूप में कुल 5 लाख 50 हजार 500 रुपये का जुर्माना लगाया गया। जिन वाहन मालिकों ने मौके पर ही ऑनलाइन चालान राशि जमा करवा दी, उन्हें नियमानुसार आगे जाने की अनुमति दे दी गई।

पेंट एवं प्लंबर सामान की दुकान व सर्विस सेंटर में चोरी के दो आरोपी गिरफ्तार

हिसार। उकलाना पुलिस ने पेंट एवं प्लंबर सामान की दुकान में हुई चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किया गया संपूर्ण सामान, वारदात में प्रयुक्त दो गाड़िया व एक मोटरसाइकिल भी बरामद की है। जांच अधिकारी एएसआई सुभाष ने बताया कि इस संबंध में प्रभुवाला गांव निवासी बजरंग ने थाना उकलाना में शिकायत दी थी। शिकायत के अनुसार 24 जून को तड़के लगभग तीन बजे गांव बुढाखेड़ा स्थित उसकी पेंट एवं प्लंबर सामान की दुकान में किसी ने सेंध लगाकर पाइप, कंसील्ड फिटिंग, ब्रास सामग्री, एल-बो सहित अन्य सामान चोरी कर लिया। शिकायत पर केस दर्ज करके छानबीन करते हुए पुलिस ने दो आरोपियों जींद जिले के गांव खासून निवासी गौरव व विकास को गिरफ्तार कर लिया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 7988727916, 9315429403, 9253681005

नागरिक अधिकार मंच 26 जुलाई को करेगा महासम्मेलन

शहर की समस्याओं को लेकर एकजुट होंगे हिसार के नागरिक

पूर्व मंडल कमिश्नर अशोक कुमार गर्ग करेंगे सम्मेलन का उद्घाटन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

शहर की विभिन्न ज्वलंत समस्याओं और बुनियादी नागरिक सुविधाओं की मांग को लेकर 'नागरिक अधिकार मंच' ने आगामी 26 जुलाई को पंजाबी धर्मशाला में हिसार के नागरिकों का एक विशाल सम्मेलन आयोजित करने का निर्णय लिया है। यह फैसला शनिवार को पंजाबी धर्मशाला में आयोजित मंच की एडहॉक (तदर्थ) कमेटी की बैठक में लिया गया, जिसकी अध्यक्षता त्रिलोक बंसल ने की। बैठक के बाद फैसलों की जानकारी देते हुए कमेटी सदस्य अनिल शर्मा, नरेश गौतम और अशोक असीजा ने बताया कि 26 जुलाई को होने वाले सम्मेलन का उद्घाटन पूर्व मंडल कमिश्नर अशोक कुमार गर्ग करेंगे। सम्मेलन के मुख्य वक्ता यूको बैंक के सेवानिवृत्त सीनियर मैनेजर एवं भिवानी जन संघर्ष समिति के अध्यक्ष ओम प्रकाश होंगे, जो नागरिकों को अधिकारों के प्रति जागरूक करेंगे।

हिसार। सम्मेलन में बारे में जानकारी देते अनिल शर्मा, नरेश गौतम व अन्य।

सोनिया हत्याकांड में आरोपियों की हो जल्द गिरफ्तारी

बैठक में एक विशेष प्रस्ताव पास कर सेक्टर-13 में हुए बहुचर्चित सोनिया हत्याकांड के आरोपियों की अब तक गिरफ्तारी न होने पर जिला पुलिस प्रशासन की कड़े शब्दों में निंदा की गई। मंच ने मांग की कि हत्यारों को तुरंत गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेजा जाए। इसके अलावा, मंच ने चानौत में पीने के पानी की किल्लत को लेकर चल रहे ग्रामीणों के आंदोलन का पुरजोर समर्थन किया और सरकार से मांग की कि ग्रामीणों की मांगों को गंभीरता से सुनकर इस समस्या का तुरंत स्थाई समाधान निकाला जाए। उन्होंने बताया की 26 जुलाई के विशाल नागरिक सम्मेलन को कामयाब करने के लिए अलग-अलग तीन टीमों का गठन किया गया जो की सम्मेलन के प्रसार प्रचार जनता से संपर्क और सामाजिक संगठनों को निमंत्रण देंगे।

सम्मेलन में उठेंगे शहर के ये मुख्य मुद्दे

- बिजली के स्मार्ट मीटर लगाने पर तुरंत रोक लगाई जाए, बिजली के दाम कम किए जाएं और शहर के सभी नागरिकों को स्वच्छ पेयजल मुहैया कराया जाए।
- नागरिक अस्पताल का विस्तार किया जाए और हिसार में पीजीआईएमएस का निर्माण हो। साथ ही, सरकारी स्कूलों का विस्तार कर उनमें शिक्षकों के रिक्त पद भरे जाएं और हर बच्चे का दाखिला सुनिश्चित हो।
- बाजारों में कथित गुंडागर्दी, चेन स्नेचिंग और नशे के बढ़ते कारोबार पर रोक लगाने के लिए पुलिस ठोस योजना बनाए।
- शहर को ट्रैफिक जाम से मुक्ति दिलाई जाए और बंदरों, कुत्तों व अन्य आवारा पशुओं की समस्या का स्थाई समाधान किया जाए।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 28 जून 2026

मन-जीवन को कर रहा अशांत
सोशल मीडिया नोटिफिकेशंस

{ कवर स्टोरी / डॉ. मोनिका शर्मा }

कभी किसी परिचित के सुंदर घर की तस्वीर तो कभी किसी फ्रेंड के विदेश घूम आने के अपडेट, वर्चुअल दुनिया में जुड़े किसी अनजान वर्चुअल मित्र ने अचानक अपना लुक बदल लिया, तो किसी के बच्चों की कमाल की उपलब्धियां। सब कुछ स्क्रीन के जरिए हम तक पहुंचता रहता है। हर उम्र के लोगों में लगातार सोशल मीडिया पर अपडेट रहने और दूसरों को अपडेट करने की सोच बढ़ रही है। इस वजह से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के नोटिफिकेशन की टोन कई बार मन को बेचैन करने वाली दस्तक-सी लगने लगती है। दूसरों के लुक्स, करियर, महंगे शौक और एडवेंचरस ट्रिप्स को देखकर मन में कमतरी के भाव आने लगते हैं। जबकि वास्तविकता यह है कि किसी के भी जीवन की हकीकत इतनी सुंदर-सहज नहीं होती है, जितनी सोशल मीडिया पर दिखती है। ऐसे में बनावटी-सजावटी आभासी दुनिया के बहकावे में आने के बजाय अपने मन-जीवन को साधना जरूरी है।

बढ़ने लगी है तुलनात्मक प्रवृत्ति

आज के दौर में स्क्रीन के जरिए दस्तक देता कंटेंट, हर उम्र के लोगों को कमतरी और बेहतरी के जाल में उलझा रहा है। शुभ कार्य हों या कोई व्यक्तिगत उपलब्धि, आभासी दुनिया में अजीब से नाप-तौल वाले मनोभावों से देखी, समझी और स्वीकारी जाने लगी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से लेकर फैमिली ग्रुप्स में शेयर की जाने वाली सूचनाओं और क्लिक्स तक, हर बात और जज्बात तुलना करने की सोच की ओर धकेल रहा है। इसके चलते मन में आने वाली अनचाही तल्खी, व्यावहारिक जिंदगी की भरपूर समझ होने के बावजूद, दिलो-दिमाग को बोझिल कर रही है। सुंदरता, सहृदयता और संपन्नता की जो चमक स्क्रीन पर तैरते अपडेट्स में दिखती है, वही जीवन का सच नहीं है, यह जानते-बूझते हुए भी रंग-रूप, कद-काठी और उपलब्धियों से लेकर खुशियों और उत्सवीय रंग-ढंग तक एक असंतोष की भावना पनप रही है। ध्यान रहे कि सोशल मीडिया के जरिए क्लिक भर में आप तक पहुंच जाने वाले कंटेंट से तुलना का भाव स्वयं यूजर्स में तो बढ़ ही रहा है। बाजार ने भी इसे बढ़ाया है क्योंकि यह भी एक तरह की मार्केटिंग स्ट्रेटेजी ही है।

गहरा होता है कमतरी का भाव

जाने-अनजाने लोगों के अपडेट्स देखकर पैदा हो रहा तुलना का भाव, खुद के जीवन में कमियां देखने को प्रेरित कर रहा है। इसके चलते हमारा मन रिश्तों, जीवनशैली और अपने हिस्से आए स्नेह-सम्मान की भी अनदेखी करने लगता है। नतीजतन जिंदगी की नेमतों को लेकर शुक्रिया कहने के भाव की जगह शिकायतों ने ले ली है। नोटिफिकेशन टोन के साथ पल-पल में अवतरित होते संदेश, सूचनाएं, चित्र, असंतुष्टि भरी सोच और बेचैनी भी साथ लाते हैं। विशेषज्ञ भी मानते हैं कि वर्चुअल दुनिया में अपने दोस्तों, रिश्तेदारों और दूसरे जाने-अनजाने चेहरों के अपडेट्स हर उम्र के लोगों के लिए व्यक्तिगत जीवन में असंतुष्टि की बड़ी वजह बन रहे हैं। स्मार्ट गैजेट्स की स्क्रीन के जरिए अमूमन अपनों-परायों तक अपनी कमियां, कमजोरियां और दिल की कसक नहीं पहुंचाई जाती। यह जानते-समझते हुए भी दूसरों के चमकदार, सफल और सुखी दिखते जीवन की वर्चुअल आभा में खुद को कहीं कमतर महसूस करने का भाव पनपने लगता है। नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए एक अध्ययन के मुताबिक आमतौर पर सोशल मीडिया पर लोग अपने बारे में सकारात्मक जानकारी ही प्रस्तुत करते हैं। फिल्टर्स का उपयोग करके अपनी उपस्थिति को और प्रभावी बना देते हैं। इसके चलते यह लगने लगता है कि हमारे मित्र या संबंधी कितने सुंदर हैं! कितने सफल हैं! इससे कई बार ऐसा भी लगने लगता है कि हमारे अलावा सब के पास सब कुछ है, सब बहुत खुश और संतुष्ट हैं, जबकि यह एक आभासी सोच भर होती है।

खो रहीं सहज-सी खुशियां

लगातार मिलने वाले सोशल मीडिया नोटिफिकेशंस के जरिए इंसानी व्यवहार और विचार में चाहे-अनचाहे स्क्रीन पर दिखी तस्वीरों, सूचनाओं और उपलब्धियों का ही लेखा-जोखा रहने लगता है। ऐसे में हम उस सुख को भी भूल जाते हैं, जो हमारी झोली में मौजूद होते हैं। इसकी वजह यह भी है कि वास्तविक दुनिया में तुलना करने के दायरे में बहुत कम लोग शामिल होते हैं। सोशल मीडिया का डिजिटल यूनिवर्स, दूसरों के साथ तुलना करने की स्थितियों को कई गुना बढ़ा देता है। समझना जरूरी है कि दूसरों की जिंदगी के वर्चुअल अपडेट्स में दिखने और होने के फर्क को समझते हुए अपने जीवन की सहजता को बनाए रखिए। अपनी खुशियों को जीने से दूरी मत बनाइए। *

सही नहीं सबका पीछा करना

दूसरों के मीडिया अपडेट्स के चलते मन में आ रही खिन्नता लोगों को उनका फॉलोअर बना देती है। हम हरदम यह जानने की कोशिश में लगे रहते हैं कि उनके ताजा अपडेट्स क्या हैं? आज उनकी क्या गतिविधियां हैं? अन्य लोग उनकी कैसे और कितनी सराहना कर रहे हैं? दूर बैठे लोगों की जिंदगी का पीछा करने की सोच से ऐसी बातों के चलते खुद आपके जज्बात बदलने लगते हैं। मन-जीवन में असंतोष भरी स्याह उदासी जगह बना लेती है। यहां तक कि ईर्ष्या का भाव भी पनपने लगता है। सोचने वाली बात यह है कि यह सब होने की कोई वास्तविक वजह ही नहीं होती है। सोच-समझकर दी गई जानकारियां और बना-संवारकर साझा की गई तस्वीरें लोगों को हैरान-परेशान करती हैं, जबकि खुद उनके ही द्वारा साझा की जा रही सामग्री के इतर उनके जीवन की असलियत का दूसरों को कोई अंदाजा ही नहीं। ऐसे में यह आदत बेवजह आपकी ऊर्जा और समय खपाने लगती है। सोशल मीडिया का उपयोग यूजर्स जिस इरादे से करते हैं, उनके मन-मस्तिष्क पर वैसा ही असर पड़ता है। बिना सोचे-समझे दूसरों के अपडेट्स के इंतजार में स्क्रीन स्क्रॉल करने से अवसाद और घबराहट पैदा होती है। जिन लोगों के अपडेट्स मन में भटकाव या नकारात्मक भाव लाते हैं, उन्हें अनफॉलो कीजिए। चिंतित और उदास महसूस करवाने वाले कंटेंट से दूरी बनाएं। वर्चुअल दुनिया हो या असल संसार औरों से ज्यादा अपनी जिंदगी में रुचि रखिए।

स्पेशलः वर्ल्ड सोशल मीडिया-डे, 30 जून

आज के दौर में अधिकांश लोग किसी न किसी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से जुड़े हुए हैं। लेकिन हाल के सालों में देखने में आ रहा है कि इन पर दिन में कई-कई बार आने वाले नोटिफिकेशंस से लोगों का मन-जीवन बेचैन और अशांत होता जा रहा है। इसके पीछे क्या वजहें हैं, इनका क्या प्रभाव पड़ता है और इनसे कैसे बच सकते हैं, आपको जरूर जानना चाहिए।

भारत के सरकारी स्पेस इंस्टीट्यूट इसरो की उपलब्धियां तो जगजाहिर हैं ही, अब इसी के नक्शेकदम पर चलते हुए कई स्पेसटेक निजी कंपनियां भी देश-दुनिया में अपनी धाक जमा रही हैं। स्पेसटेक के क्षेत्र में नित नई ऊंचाई हासिल कर रही देश की प्राइवेट स्पेसटेक कंपनियों की अचीवमेंट पर एक नजर।

अंतरिक्ष में नई ऊंचाइयां छू रहीं देश की निजी स्पेसटेक कंपनियां

{ अचीवमेंट / संजय श्रीवास्तव }

हाल में 'गैलेक्सआई' द्वारा मिशन दृष्टि नामक दुनिया का पहला ऑप्टोसार उपग्रह सफलतापूर्वक लॉन्च करने के बाद दुनिया भर की मीडिया में भारत की निजी स्पेस कंपनियों की कम लागत के साथ तकनीकी दक्षता तथा इस आधार पर वैश्विक अंतरिक्ष बाजार में उनकी तीव्र बढ़त की चर्चा हो रही है।

गैलेक्सआई ने रचा इतिहासः जब भारत ने 'मिशन दृष्टि' के तहत 190 किलो वजनी दुनिया का पहला ऑप्टोसार उपग्रह अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित वैंडेनबर्ग स्पेस फोर्स बेस से स्पेसएक्स के फाल्कन 9 रॉकेट के जरिए प्रक्षेपित किया, तब बहुतों ने गैलेक्सआई का नाम पहली बार सुना। देश ने स्पेस तकनीकी क्षमता का लोहा वैश्विक स्तर पर मनवाया हो और खबरों में इसरो की जगह देश के सबसे बड़ा पृथ्वी अवलोकन उपग्रह बनाने वाली किसी ऐसी निजी कंपनी का नाम सुर्खियों में शामिल हो, जिसके अस्तित्व में आए महज पांच साल हुए हैं, ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। इतने कम समय में यह अनूठी सफलता हासिल कर इसने बता दिया है कि भारत के निजी अंतरिक्ष क्षेत्र की प्रगति कितनी तेज गति से हो रही है।

बहुपयोगी है इसकी तकनीकः गैलेक्सआई द्वारा लांच मिशन दृष्टि की ऑप्टोसार तकनीक में इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल यानी ईओ और सिंथेटिक, पर्चर रडार या एसएआर सेंसर को एक ही प्लेटफॉर्म पर जोड़ा गया है। इस संयोजन के कारण यह उपग्रह हर मौसम और दिन-रात में डेटा संग्रह करने में सक्षम है। यह क्षमता अब तक सीमित देशों या अलग-अलग प्रणालियों में बंटी हुई थी, जबकि भारत ने इसे एकीकृत रूप में प्रस्तुत किया है। वैश्विक संदर्भ में देखें तो अमेरिका, चीन और कुछ यूरोपीय देश पृथ्वी अवलोकन में अग्रणी रहे हैं, लेकिन रणनीतिक दृष्टि से 'गेम चेंजर' ऑप्टोसार तकनीक जैसी एकीकृत प्रणाली भारत को तकनीकी बढ़त देती है। यह उपग्रह सेना को डेढ़ मीटर के दायरे में सीमा पार की सटीक जानकारी देगा। कृषि मॉनिटरिंग, आपदा प्रबंधन, तटीय सुरक्षा और शहरी नियोजन जैसे क्षेत्रों में इसकी उपयोगिता व्यापक है। बाढ़ या चक्रवात के समय यह त्वरित और सटीक डेटा निर्णय लेने की क्षमता को कई गुना बढ़ा सकता है। इस प्रकार 'मिशन दृष्टि' ड्यूल-यूज टेक्नोलॉजी का उत्कृष्ट उदाहरण है, जिससे नागरिक और सैन्य दोनों लाभ एक साथ प्राप्त होंगे।

कई और कंपनियां भी हैं एक्टिवः गैलेक्सआई तो महज एक उदाहरण है, देश में इसरो के साथ मिलकर काम करने वाली कॉमर्शियल स्पेस इंडस्ट्री स्टैब्लिश हो चुकी है। अनुमान है कि फिलवक्त निजी क्षेत्र में 400 स्पेसटेक स्टार्टअप काम कर रहे हैं। 150 से ज्यादा कंपनियां छोटे उपग्रह, लॉन्च व्हीकल्स, अर्थ ऑब्जर्वर और एआई एनालिटिक्स आदि पर शानदार काम कर रही हैं। स्काईरूट एयरोस्पेस, जिसने निजी क्षेत्र का पहला सफल रॉकेट विक्रम एस. बनाया और हाइपरस्पेक्ट्रल इमेजिंग में वैश्विक पहचान बनाने वाली पिक्सेल कंपनी से सभी परिचित हैं। अग्निकुल कॉस्मॉस, जो थ्री-डी प्रिंटेड इंजन अग्निलेट का निर्माण कर सुर्खियों में आई थी, अब उपग्रहों के लिए स्पेसएक्स की स्पेस बस की अवधारणा से उलट एक स्पेस 'टैक्सी' बनाना चाहती है। थ्री-डी प्रिंटरों का उपयोग करके, यह फॉलकन 9 से छोटे और दोबारा इस्तेमाल होने वाले रॉकेट बनाने की सोच रहा है, जिन्हें ग्राहक की इच्छानुसार कहीं से भी लॉन्च किया जा सकता है और उनके उपग्रह को ठीक उसी कक्षा में सटीकता से स्थापित किया जा सकता है, जिसकी उसे जरूरत है। मुमकिन है कि इस साल के अंत तक वह लक्ष्य पा लें। दिगांत्रा कंपनी एक कक्षीय हवाई-यातायात नियंत्रक के रूप में काम कर रही है, जो विभिन्न कंपनियों के उपग्रहों के अंतरिक्ष मलबे से टकराने के जोखिम की निगरानी में मदद करती है।

हो रहा वैश्विक प्रसारः देश की ये स्पेसटेक कंपनियां देश से बाहर भी अपनी धाक जमा रही हैं। आज पिक्सेल नासा के साथ डेटा साझेदारी कर रही है, तो स्काईरूट अंतरराष्ट्रीय ग्राहक लॉन्च सेवाएं दे रही है और ध्रुव स्पेस ग्लोबल सैटेलाइट सेवाओं में आगे है। इसी तरह तमाम निजी स्पेस कंपनियां विभिन्न परियोजनाओं पर काम कर रही हैं यानी शोधरत हैं। भारतीय प्राइवेट स्पेस कंपनियों की बढ़ती प्रसिद्धि के पीछे कारण यह है कि भारतीय स्पेसटेक कंपनियों का मॉडल 'कम लागत पर उच्च-दक्षता नवाचार' पर आधारित है। स्पेस टेक की दिशा में भारत अब 'सेवा प्रदाता' से 'तकनीक प्रदाता' बन रहा है। इसीलिए उम्मीद की जा रही है कि भारतीय स्पेसटेक व्यापार 2030 तक 40 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा। *

{ गजल / डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग' }

भूल गए हैं लोग सलीका

भूल गए हैं लोग सलीका आमंत्रण का,
भाव नहीं दिखता आंखों में अपनेपन का।
भरमाने वाले पेड़ों की भीड़ लगी है,
मोल नहीं होता कानन में अब चंदन का।
याद किसी की आने पर सर दीवारों से
टकराए तो दोष नहीं होता दरपन का।
इकदिन उम्र ढला करती है सबकी जग में,
धीरे-धीरे रंग उतरता है आनन का।
साथ न हो गर मन का मीत सफर में 'नवरंग'
लगने लगता है हर मौसम फिर बेमन का।

{ व्यंग्य / सूर्यदीप कुशवाहा }

मेहमान इन पकवानों पर ऐसे टूट पड़ते हैं, जैसे इसके बाद कभी उन्हें खाना मिलेगा ही नहीं। एक तरफ मेहमान पकवान उड़ाते हैं, उधर लड़की के बाप का बीपी बढ़ता जाता है।

शादी का झमेला

आजकल समाज में शादी-ब्याह केवल दो आत्माओं का मिलन नहीं, बल्कि दो परिवारों के बैंक बैलेंस, प्रतिष्ठा और धैर्य की परीक्षा का महायज्ञ बन गया है। यह वह अवसर होता है, जब एक अदना-सा इंसान अचानक शादी समारोह प्रबंधक बन जाता है और अपनी सारी जमापूंजी, साख और यहां तक कि भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए रखी गई पूंजी भी एक रात के दिखावे में झोंक देता है।

समारोह में दुल्हन को इतना पेंट किया जाता है कि पेंट किया हुआ घर भी फीका दिखने लगता है। चेहरे पर पुताई की इतनी परतें होती हैं कि अगर दुल्हन को छींक आ जाए, तो आस-पास के लोग उस गुबार से लाल हो जाएं। इसे ब्राइडल ग्लो कहा जाता है, जो सुबह होते ही वॉटरप्रूफ न होने की स्थिति में बह जाता है। आम धारणा है कि दुल्हन का लहंगा भी उतना ही भारी होना चाहिए, जितना दुल्हन के पिता का सिर कर्ज के बोझ से भारी हो जाता है।

शादी समारोह अब रिश्तों का उत्सव कम और कॉम्पिटिशन ज्यादा बन गया है। पड़ोसी की बेटी की शादी में पचास पकवान थे, तो हमें शुभ इक्यावन करने ही होंगे। चाहे इसके लिए पिता को क्यों न बैंक से लोन लेना पड़े। लगन के इस मौसम में सबसे ज्यादा प्रभाव उस मध्यमवर्गीय पिता पर होता है, जो तीन घंटे के दिखावे के लिए तीस साल की कमाई स्वाहा कर देता है। मेहमानों को खिलाने के लिए मेनू में तरह-तरह के व्यंजन होते हैं, जिसमें से अधिकतर मेहमान केवल वही स्पेशल डिश खाते हैं, जो उनके घर में नहीं बनते हैं। मेहमान इन पकवानों पर ऐसे टूट पड़ते हैं, जैसे इसके बाद कभी उन्हें खाना मिलेगा ही नहीं। एक तरफ मेहमान पकवान उड़ाते हैं, उधर लड़की के बाप का बीपी बढ़ता जाता है। यह ऐसा मेला है, जहां रिश्तेदार यह देखने आते हैं कि हलवाई ने पनीर की सब्जी में पनीर डाला था या सिर्फ ग्रेवी? वास्तव में शादी में आए मेहमानों का मुख्य उद्देश्य दूल्हा-दुल्हन को आशीर्वाद देना नहीं, बल्कि समारोह में कमियां उघाड़ना होता है। बिना बात नाराज होने वाले दूल्हे के फूफाजी अगर पनीर के चार टुकड़े खा लें तो यह उनकी दयालुता मानी जाती है। ये वही लोग होते हैं, जो अपनी बेटी की शादी में सबसे कंजूसी करते हैं, लेकिन दूसरे की शादी में फाइव स्टार होटल जैसी सुविधा चाहते हैं। इनके लिए शादी एक फ्री फूड फेस्टिवल होता है, जहां वे वीआईपी बन अपनी पसंद का खाना न मिलने पर दुल्हन के पिता को कोस और लताड़ सकते हैं। लेकिन समारोह का असली मजा या सजा सड़क पर बारात के रूप में मिलता है। डीजे वाले बाबू चाहे कैसा भी गाना बजाएं, बारातियों को तो बस वही एक स्टेप आता है-नागिन डांस। ऐसा लगता है जैसे सांपों ने पूरी बारात को डस लिया हो। दूल्हा घोड़ी पर बैठा ऐसे मुस्कुराता है, जैसे उसने देश के लिए स्वर्ण पदक जीता हो, जबकि सच्चाई यह है कि वह कुछ ही देर में स्वतंत्रता से परतंत्रता की ओर कदम बढ़ाने वाला होता है।

हर कोई चाहता है कि उसकी शादी यादगार हो। शायद इसीलिए आज के दौर में शादी समारोह समाज के सामने अपनी औकात बताने का एक जरिया बन गया है। शादी के बाद दूल्हा-दुल्हन शान से नई कार में घूमते हैं और पीछे दुल्हन के पिता उस कार की ईएमआई भरते हैं। इसे ही लड़की का बाप कहते हैं। *

{ पुस्तक चर्चा / मेनका त्रिपाठी }

संवेदना-संघर्ष का कथालोक

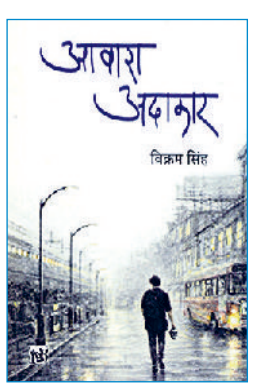

हाल में प्रकाशित हुआ विक्रम सिंह का कहानी-संग्रह 'आवारा अदाकार' समकालीन जीवन की जटिलताओं, विडंबनाओं और मानवीय संघर्षों के दस्तावेज की तरह है। उनकी कहानियों में एक ओर यथार्थ की खुरदुरी जमीन दिखाई देती है, तो दूसरी ओर कल्पना की ऐसी ऊंचाई भी, जो साधारण जीवन को अर्थपूर्ण बना देती है। यही कारण है कि उनकी कहानियां केवल घटनाओं का विवरण नहीं लगतीं, बल्कि पाठक के भीतर संवेदना और विचार दोनों को जगाती हैं।

लेखक ने खाड़ी देशों में संघर्षरत मजदूरों की पीड़ा, कोरोना काल की त्रासदी, बेरोजगार युवाओं की बेचैनी, इंटरनेट ठगी और आभासी रिश्तों के खोखलेपन जैसे समकालीन विषयों को अत्यंत संवेदनशीलता से उठाया है। वे केवल दुख की दास्तां नहीं सुनाते, बल्कि जीवन की कठोर परिस्थितियों के बीच मनुष्य की जिजीविषा और छोटे-छोटे सुखों की तलाश को भी रेखांकित करते हैं। उनकी भाषा सहज, प्रवाहपूर्ण और आज के जीवन के जीवंत मुहावरों से भरपूर है। संवादों में स्वाभाविकता है, जिससे पात्र पाठक के बेहद करीब आ जाते हैं। हालांकि, विविध विषयों के कारण कहीं-कहीं कथ्य का हल्का बिखराव दिखाई देता है, फिर भी उनकी रचनात्मक ईमानदारी और मानवीय दृष्टि इस कमी को ढंक लेती है। *

पुस्तकः आवारा अदाकार (कहानी संग्रह), **लेखकः** विक्रम सिंह,
मूल्यः 250 रुपए, **प्रकाशकः** लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज

हरिभूमि
रविवार भारती
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 28 जून 2026

{ टूरिस्ट प्लेसेस / समीर चौधरी }

बाली-मालदीव जैसे ही अमेजिंग हैं ये भारतीय द्वीप-समुद्र तट

खूबसूरत समुद्र तट और द्वीपों का शानदार नजारा देखने के लिए अनेक टूरिस्ट, बाली या मालदीव का रुख करना पसंद करते हैं। जबकि अपने देश भारत में भी कुछ ऐसे द्वीप और समुद्र तट मौजूद हैं, जो किसी मायने में बाली-मालदीव से कम नहीं हैं। कौन से हैं ये अमेजिंग टूरिस्ट प्लेसेस और क्या हैं इनकी खासियतें, जानकर आप भी इनका दीदार करने से खुद को रोक नहीं पाएंगे।

मिनी मालदीव जैसा तर्कारली-मालवण, महाराष्ट्र

महाराष्ट्र के कोंकण तट पर तर्कारली व मालवण को महाराष्ट्र का मिनी मालदीव भी कहा जाता है। दरअसल, यहां का साफ पानी पर्यटकों का मन मोह लेता है। सिंधुदुर्ग जिले में स्थित यह तट सी बीचेज, शांत बैकवाटर्स के लिए जाना जाता है। यहां स्कूबा डाइविंग, स्नोरकेलिंग या पैरासेलिंग जैसे वाटर स्पोर्ट्स और एक्टिविटीज बहुत कम खर्च में उपलब्ध हैं। तर्कारली में आपको स्थानीय कोंकणी संस्कृति देखने को मिलेगी। सिंधुदुर्ग किले में बोट राइड्स का आनंद लिया जा सकता है। यहां के स्थानीय रेस्तराओं में मालवणी सीफूड थाली का लुत्फ उठाया जा सकता है। यहां पहुंचने के लिए सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन कुडाल और सिंधुदुर्ग हैं। यह स्थल गोवा एयरपोर्ट से कुछ ही घंटों के फासले पर है। *

शांत समुद्री किनारे वाला स्वराज द्वीप, अंडमान

स्वराज द्वीप (पुराना नाम-हेवलॉक द्वीप) आपको जीवंत ट्रॉपिकल द्वीप का अनुभव प्रदान करता है। यह अंडमान व निकोबार द्वीप समूह का हिस्सा है और अपने शानदार सी बीचेज के लिए विख्यात है। यहां गोताखोरी का आनंद खूब लिया जाता है। यहां जंगलों से भरे समुद्र के किनारे हैं और वातावरण बिल्कुल शांत रहता है। इस द्वीप का मुख्य आकर्षण राधानगर बीच है, जो अपने सफेद रेत के कारण एशिया के सबसे आकर्षक सी बीचेज में गिना जाता है। यहां डूबते हुए सूरज का नजारा देखने लायक होता है। पर्यटक यहां विभिन्न वाटर स्पोर्ट्स का भी मजा ले सकते हैं। यहां जाने का सबसे आसान रास्ता यह है कि पोर्ट ब्लेयर के अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर फ्लाइट से उतरने के बाद स्वराज द्वीप के लिए फेरी ले ली जाए, जो डेढ़ से ढाई घंटे के बीच में आपको द्वीप पर पहुंचा देगी। *

मालदीव का एहसास कराता लक्षद्वीप

भारत में मालदीव से सबसे अधिक मिलती-जुलती जगह लक्षद्वीप है। छोटे-छोटे कोरल द्वीप, नीले रंग के शानदार शेड्स में छोटे-छोटे लगून और भीड़-भाड़ से दूर सफेद रेत के समुद्र तट। ये सब समानताएं एकदम मालदीव में होने का एहसास कराती हैं। अरब सागर में केरलम के तट पर फैला हुआ लक्षद्वीप 36 कोरल द्वीपों से बना हुआ है, हालांकि इनमें से कुछ द्वीप ही पर्यटकों के लिए खुले हुए हैं। अगत्ती, बंगाराम और थिन्नाकारा द्वीपों पर लोग अधिक जाना पसंद करते हैं, विशेषकर वे टूरिस्ट, जो शांत, एकांत में स्टे को प्राथमिकता देते हैं। यहां आप कोरल रीफ पर स्नोरकेलिंग, शांत लगूनों में कयाकिंग, स्कूबा डाइविंग के जरिए फिश के साथ गोता लगाते हुए या समुद्र के किनारे चहलकदमी करने का आनंद ले सकते हैं। लक्षद्वीप पहुंचने के लिए अगत्ती मुख्य प्रवेश द्वार माना जाता है क्योंकि द्वीपों के इस समूह में केवल यहीं पर एकमात्र एयरपोर्ट है। कोच्ची से यहां पहुंचने में लगभग 90 मिनट की हवाई यात्रा करनी होती है। *

पर्यटकों-योगप्रेमियों के लिए जन्नत के जैसा गोकर्ण, कर्नाटक

कर्नाटक में स्थित गोकर्ण, दिलकश तटीय आकर्षण से आध्यात्मिकता का मिलन कराता है। यहां महाबलेश्वर मंदिर साल भर भक्तों को आकर्षित करता है और शांत बीच जैसे ओम, कुड्ले व हाफ मून पर्यटकों और योग प्रेमियों के लिए जन्नत हैं। यहां आप चट्टानों के पास वाकिंग, बीचसाइड कैफे में खाने-पीने के साथ वाटर स्पोर्ट्स का आनंद ले सकते हैं। अरब सागर के किनारे रिलैक्स भी कर सकते हैं। गोकर्ण का ग्रामीण एहसास इसे और अनोखा बना देता है। *

बाली के सर्फ-टाउन जैसा नजारा वर्कला, केरलम

जो पर्यटक बाली की सर्फ-टाउन एनर्जी से आकर्षित होते हैं, उन्हें वर्कला में लगभग वही वातावरण मिलेगा। यह केरलम के दक्षिणी तट पर स्थित है। यह टाउन लाल चट्टानों के इर्द-गिर्द बसा हुआ है, जहां के होमस्टे से अरब सागर का नजारा मिलता है। उत्तरी चट्टान क्षेत्र, समय गुजारने के लिए सबसे अच्छी जगह है। यहां स्मूदी कैफे, सफर स्कूल, आयुर्वेदिक मसाज केंद्र और रूफटॉप स्पॉट्स हैं, जहां शाम गुजारते हुए आनंद आ जाता है जो रात तक जारी रहता है। सर्फिंग वर्कला की पहचान बन गई है। यहां आने वाले पर्यटक बाली की तरह ही सप्ताह भर का सर्फ व स्टे पैकेज लेते हैं। यहां तक पहुंचने के लिए करीबी रेलवे स्टेशन वर्कला सिवगीरी है। *

अनिश्चित परिस्थितियों में ऐसे रहें आर्थिक रूप से सुरक्षित

{ अवेयरनेस / शिखर चंद जैन }

हालांकि ईरान-अमेरिका में अभी युद्ध विराम चल रहा है, लेकिन अभी भी परिस्थितियां अनिश्चित बनी हुई हैं। ऐसे में आने वाले दिनों में आर्थिक परिदृश्य क्या होगा, कुछ नहीं कहा जा सकता। इसलिए समझदारी इसी में है अपनी आर्थिक योजनाएं समझदारी से बनाई जाएं। आपके लिए उपयोगी सलाह।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की हालिया रिपोर्टों और कई अर्थशास्त्रियों के अनुसार, मध्य-पूर्व में हुए युद्ध से वैश्विक अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान हुआ है। अगर आने वाले दिनों में शांति बरकरार रहती है तो भी आर्थिक दशा पहले जैसी होने में कई महीने से लेकर कुछ साल लग सकते हैं। ऐसे में व्यक्तिगत आर्थिक सुरक्षा और वित्तीय स्थिरता के लिए कुछ बातों पर ध्यान देना जरूरी है।

मुद्रास्फीति का प्रभाव: युद्ध और आपूर्ति श्रंखला में रुकावटों के कारण ऊर्जा, खाद्य और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में तेजी का रुख है। आमदनी का बड़ा हिस्सा खर्च होने से बचने के लिए बजट में कटौती और गैर-जरूरी खर्चों को रोकना जरूरी है।

इमरजेंसी फंड: आर्थिक मंदी या नौकरी के संकट के समय कम से कम 6 से 12 महीने का मासिक खर्च इमरजेंसी फंड में रखना चाहिए। इसे आसानी से निकाले जा सकने वाले साधनों या सेविंग एकाउंट में रखना बहुत उपयोगी होता है।

सुरक्षित निवेश: संकट के समय शेयर बाजारों में भारी उतार-चढ़ाव आते हैं। जैसा पिछले तीन महीने तक लगातार चले युद्ध के दौरान हम सबने देश-दुनिया में देखा। ऐसे में वित्तीय सलाहकार गोल्ड या सॉवरेन बॉन्ड जैसे सुरक्षित और स्थिर निवेश विकल्पों को पोर्टफोलियो का हिस्सा बनाने की सलाह देते हैं।

लोन-ईएमआई का प्रबंधन: बढ़ती ब्याज दरों के कारण लोन की किस्तें बढ़ सकती हैं। इसलिए सबसे पहले महंगे कर्ज (जैसे पर्सनल लोन या क्रेडिट कार्ड का बकाया) को चुकाना चाहिए ताकि मासिक बोझ कम हो सके। इससे आप काफी राहत महसूस करेंगे।

स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग: वैश्विक तनाव के कारण विदेशों से आयातित सामानों की कीमत और उपलब्धता प्रभावित हो जाती है। साथ ही देश की मुद्रा भी प्रभावित होती है। इसलिए अपने दैनिक जीवन और व्यापार में स्थानीय उत्पादों का उपयोग बढ़ाना सुरक्षित रहता है। इसलिए देश में बनने वाली चीजें ही खरीदें।

आय के नए स्रोत अपनाएं: नौकरी जाने से होने वाले संकट से बचने के लिए स्किल्स को अपग्रेड करते रहें और फ्रीलांसिंग, निवेश या ऑनलाइन माध्यमों से आय के अतिरिक्त स्रोत बनाने पर ध्यान दें, ताकि आय का एक स्रोत बाधित हो तो दूसरे का सहारा मिले।

महंगी देनदारियों से छुटकारा पाएं: हाई इंट्रेस्ट वाले लोन, जैसे क्रेडिट कार्ड का बकाया या पर्सनल लोन में आपकी मेहनत की कमाई का एक बड़ा भाग खर्च होता है और आपकी बचत कमजोर होती है। ऐसे में आप इन उच्च ब्याज वाले कर्ज का भुगतान जल्द से जल्द करें। इससे जो पैसा आप ब्याज बचाने में लगाते हैं, उसे रिटायरमेंट फंड में निवेश किया जा सकता है।

पर्याप्त बीमा कवर करें: अचानक कोई बीमारी या दुर्घटना होने पर किसी पर भी भारी आर्थिक बोझ पड़ जाता है। इससे राहत के लिए टर्म लाइफ इंश्योरेंस और हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसीज जरूर लेना चाहिए।

समय के साथ रिटायरमेंट फंड बढ़ाएं: महंगाई दर समय के साथ पैसे के मूल्य को कम करती है। आपकी लाइफस्टाइल और खर्च रिटायरमेंट के समय तक बढ़ जाएंगे। इसलिए अपनी रिटायरमेंट योजना की नियमित रूप से समीक्षा करें (कम से कम सालाना)। जैसे-जैसे आपकी इनकम बढ़ती है (वेतन वृद्धि, बोनस), अपने मंथली रिटायरमेंट इन्वेस्टमेंट फंड को भी बढ़ाएं।

कहने का सार है कि इस दौर में सही इंवेस्टमेंट, सेविंग्स और बजट से ना केवल आपको फाइनेंसियल सिक्योरिटी मिलेगी, बल्कि फ्यूचर की कई परेशानियों से भी बचा जा सकता है। *

(वित्तीय सलाहकार प्रदीप अग्रवाल और चार्टर्ड एकाउंटेंट शुभम तोदी से बातचीत पर आधारित)

दुनिया की सबसे खूबसूरत नदियां

{ प्रकृति / अंजू जैन }

देश-दुनिया में अनेक ऐसी नदियां हैं, जो अपनी विविध उपयोगिताओं के साथ-साथ अपने अद्भुत सौंदर्य के लिए भी जानी जाती हैं। विश्व की कुछ सबसे खूबसूरत नदियों के बारे में जानिए।

नदियां इस धरती पर मानव सभ्यता के विकास का केंद्र रही हैं। इसके अलावा यातायात का अनूठा मार्ग होने के साथ ही ये किसी भी देश की अर्थव्यवस्था के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण होती हैं। इसके अलावा कई शहरों में पेय जल की आपूर्ति और सिंचाई के लिए भी नदियों का उपयोग सदियों से होता आ रहा है। इन खूबियों के अलावा देश-दुनिया भर में कई नदियां अपनी प्राकृतिक सुंदरता, ऐतिहासिक महत्व और अद्भुत पारिस्थितिकी के लिए भी जानी जाती हैं।

कानो क्रिस्टेलस कोलंबिया: कोलंबिया के मेटा प्रांत में सेरानिया-डे ला मैकेरेना नेशनल पार्क में स्थित यह नदी बेहद खूबसूरत और जादुई लगती है। यह अपनी प्राकृतिक सुंदरता और रंग बदलने की क्षमता के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। कानो क्रिस्टेलस की यात्रा आपको प्रकृति के बिल्कुल करीब ले जाती है और यह ईको-टूरिज्म का एक बेहतरीन उदाहरण है। इसे पांच रंगों की नदी भी कहा जाता है। पानी का रंग बदलने का मुख्य कारण नदी में मौजूद मैक्रेनिया क्लेविगेरा नामक शैवाल हैं। बारिश के मौसम में जब इनको सही धूप और पानी मिलता है, तो ये चमकीले लाल और अन्य रंगों में खिल जाते हैं। इन्हीं के कारण पानी के नीचे लाल, पीला, हरा, नीला और काला रंग दिखाई देता है। इसीलिए कानो क्रिस्टेलस नदी को लिक्विड रेनबो यानी तरल इंद्रधनुष भी कहते हैं। यह अद्भुत नजारा मुख्य रूप से जुलाई से नवंबर के बीच (वर्षा ऋतु के दौरान) दिखाई देता है।

ली नदी, चीन: चीन की 'ली' नदी के आस-पास स्थित नुकीले चूना पत्थर के पहाड़ इसे किसी पारंपरिक चीनी पेंटिंग जैसा दृश्य प्रदान करते हैं। गुइलिन से यांग्शुओ तक बहने वाली यह नदी चूना पत्थर के ऊंचे पहाड़ों के बीच से गुजरती है। यह दृश्य इतना आइकॉनिक है कि इसे चीन के 20 युआन के नोट पर भी दर्शाया गया है। सदियों से इस नदी ने चीनी चित्रकारों और कवियों को प्रेरित किया है।

सोका नदी स्लोवेनिया: यह नदी अपनी शुद्धता और पन्ना जैसे हरे रंग के कारण प्रसिद्ध है। इसे प्यार से 'पन्ना ब्यूटी' कहा जाता है। यह नदी आल्प्स पर्वतमाला से निकलती है और अपनी पूरी लंबाई के दौरान अपना जादुई रंग बरकरार रखती है, जो कि बहुत दुर्लभ है। जुगैलियन आल्प्स से बहने वाली यह नदी अत्यधिक साफ-सुथरी होने के लिए भी जानी जाती है।

फुटालेउफू नदी अर्जेंटीना/चिली: फुटालेउफू नदी अर्जेंटीना और चिली के उत्तरी पेटागोनिया क्षेत्र में स्थित एक बेहद शानदार और प्राकृतिक रूप से समृद्ध नदी है। पेटागोनिया के पहाड़ों से निकलने वाली यह नदी अपने आश्चर्यजनक रूप से साफ, फिरोजी नीले पानी और शानदार राफ्टिंग रूट्स के लिए जानी जाती है। यह अपनी बेमिसाल सुंदरता, उग्र जलधाराओं और विश्व-स्तरीय साहसिक खेलों के केंद्र के रूप में दुनियाभर में मशहूर है। मापुचे भाषा में 'फुटालेउफू' का अर्थ 'बड़ी नदी' होता है। स्थानीय लोग इस घाटी को 'उन पैसजे पिंटाडो पोर डियोस' अर्थात ईश्वर द्वारा चित्रित परिदृश्य कहते हैं। इस नदी का उद्गम, अर्जेंटीना के यूनेस्को संरक्षित लॉस एलेर्सेस राष्ट्रीय उद्यान के हिमनदों की पिघली हुई बर्फ से होता है। यह नदी अर्जेंटीना और चिली देश की सीमा को पार करती है। यह चिली के बेहद खूबसूरत लॉस लागोस क्षेत्र से बहते हुए अंततः प्रशांत महासागर में जाकर गिरती है। फुटालेउफू नदी दुनिया के बेहतरीन व्हाइटवॉटर कयाकिंग और राफ्टिंग स्थलों में से एक है। इसके तीव्र बहाव, क्रिस्टल-क्लियर नीले पानी और विशाल घाटी के बीच राफ्टिंग करने का अनुभव रोमांच प्रेमियों के लिए खास है। *

अत्यंत स्वच्छ-सुंदर नदी उमंगोट

अपने देश के मेघालय की दावकी नदी के नाम से मशहूर उमंगोट नदी दुनिया की सबसे साफ नदियों में से एक है। इसका पानी इतना पारदर्शी है कि इसमें चलने वाली नाव हवा में तैरती हुई सी प्रतीत होती है। यह नदी अपनी असाधारण पारदर्शिता के लिए विश्व भर में प्रसिद्ध है। इसका पानी इतना साफ है कि नदी तल के पत्थर और मछलियां 8 मीटर की गहराई तक स्पष्ट दिखाई देते हैं। यह नदी भारत और बांग्लादेश के बीच एक प्राकृतिक सीमा बनाती है। स्थानीय समुदायों द्वारा इसकी स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाता है।

एक्शन-रोमांच से भरपूर 'अल्फा' का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद रोमांचक रहा: आलिया भट्ट

आगामी 3 जुलाई को रिलीज होने वाली यशराज बैनर की फिल्म 'अल्फा' में आलिया भट्ट लीड रोल में नजर आएंगी। इस फिल्म में वह जबर्दस्त एक्शन करती दिखेंगी। यह फिल्म उन्होंने क्यों एक्सेप्ट की? अनिल कपूर और बॉबी देओल के साथ एक्टिंग करने के कैसे एक्सपीरियंस रहे? इस फिल्म के साथ प्रोफेशनल-पर्सनल लाइफ से जुड़े सवाल आलिया भट्ट से।

{ खास मुलाकात / आरती सक्सेना }

बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेसेस में शुमार आलिया भट्ट इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'अल्फा' को लेकर चर्चा में हैं। आलिया अपनी इस फिल्म को लेकर बेहद उत्साहित हैं। हाल ही में आलिया भट्ट ने फिल्म 'अल्फा' में काम करने के अनुभव के साथ-साथ अपनी प्रोफेशनल-पर्सनल लाइफ को लेकर खास बातचीत की। पेश है इस बातचीत के प्रमुख अंश-

अपनी आगामी फिल्म 'अल्फा' को लेकर आप इन दिनों बहुत उत्साहित हैं। इस फिल्म में काम करने का आपका अनुभव कैसा रहा ?

'अल्फा' की शूटिंग करते हुए मैंने बहुत अच्छा समय बिताया। यह किसी फिल्म के सेट पर मेरे सबसे मजेदार और यादगार अनुभवों में से एक रहा। यशराज के स्पाई यूनिवर्स बैनर के एक्शन-रोमांच से भरे इस भव्य प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद रोमांचक रहा। इस फिल्म को करते वक्त मैंने उन चैलेंजेज को फेस किया, जिनका मैंने पहले कभी अनुभव नहीं किया था। मैं इस एक्शन एंटरटेनर फिल्म के सेट पर जाने के लिए हमेशा उत्साहित रहती थी। मैंने इसका हर मिनट पूरी तरह से एंज्वॉय किया।

'अल्फा' के एक सीन में शरवरी वाघ के साथ आलिया भट्ट

इस फिल्म को साइन करते वक्त फिल्म की कौन-सी बात ने आपको सबसे ज्यादा प्रभावित किया ?

वैसे तो इस फिल्म में बहुत सारी बाते हैं, जिसने मुझे फिल्म करने के लिए इंस्पायर किया, लेकिन मुझे सबसे ज्यादा यह बात पसंद आई कि इस फिल्म के केंद्र में दो महिलाएं हैं, जो पूरी एक्शन स्टोरी को आगे बढ़ा रही हैं। बॉलीवुड फिल्मों में ऐसा हमें बहुत कम देखने को मिलता है। 'अल्फा' एक एटीट्यूड का जश्न है।

इस फिल्म में आप के साथ शरवरी वाघ, अनिल कपूर और बॉबी देओल भी हैं, इन सभी के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा ?

'अल्फा' फिल्म में काम करने के अनुभव को और भी खास बनाने वाली बात यह थी कि मुझे इतने शानदार लोगों के साथ काम करने का मौका मिला। चाहे फिल्म के निर्देशक शिव रवैल हों, हमारे को-एक्टर्स शरवरी, अनिल कपूर और बॉबी देओल हों या एक्शन टीम और पर्दे के पीछे काम करने वाला पूरा क्रू ही क्यों ना हो, इस फिल्म को लेकर सभी के भीतर जबरदस्त उत्साह था। वो एनर्जी, वो वाइब दर्शकों को पर्दे पर भी दिखाई देगी।

'अल्फा' फिल्म के लिए भारत के सबसे तेज धावक गुरिंदरवीर सिंह ने आप को स्पेशल ट्रेनिंग दी है, इस बारे में कुछ बताएंगी ?

हां, भारत के सबसे तेज धावक गुरिंदरवीर सिंह ने इस फिल्म के लिए मुझे बहुत अच्छी ट्रेनिंग दी है। मैंने उनसे जिंदगी जीने का असली फलसफा भी सीखा है कि जिंदगी में कभी हार नहीं माननी चाहिए, हमेशा हौसले बुलंद रखने चाहिए।

'अल्फा' के अलावा आप और कौन-कौन सी फिल्में कर रही हैं ?

संजय लीला भंसाली की अपकमिंग फिल्म 'लव एंड वॉर' कर रही हूं। इसके अलावा 'चामुंडा', 'जी ले जरा' जैसी कुछ फिल्में लाइनअप हैं।

आपके पसंदीदा डायरेक्टर्स कौन हैं, जिनके साथ आप काम करने की इच्छा रखती हैं ?

मैं राजकुमार हिरानी, अयान मुखर्जी और जोया अख्तर के साथ फिल्म करने की इच्छा रखती हूं। ये सभी मेरे पसंदीदा डायरेक्टर्स हैं।

आपके कोई तीन सीक्रेट्स या कमजोरी, जो आप अपने फैंस के साथ शेयर करना चाहेंगी ?

(हंसते हुए) मुझे अंधेरे से डर लगता है, मुझे जोर से डकार लेने की आदत है और मैं इमोशनल सॉन्ग्स सुनकर कई बार रो पड़ती हूं। इन्हें आप मेरी वीकनेस मान सकती हैं। *

सब मैनेज करना पड़ता है

आलिया सक्सेसफुल एक्ट्रेस होने के साथ-साथ एक अच्छी वाइफ और मां भी हैं। पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ के बीच बैलेंस बनाना, उनके लिए कितना आसान या मुश्किल होता है? यह पूछे जाने पर आलिया कहती हैं, 'आसान तो कुछ भी नहीं होता, सब मैनेज करना पड़ता है। लेकिन मैं यह भी कहना चाहूंगी कि अगर आपको घर वालों का सपोर्ट मिले तो कई सारी मुश्किलें आसान हो जाती हैं। मुझे अपनी फैमिली का प्यार और सपोर्ट किसी न किसी रूप में मिलता रहता है। फिर चाहे मेरे पति रणबीर हों, बेटी राहा हो या सास नीतू सिंह क्यों ना हों। सासू मां और राहा तो मेरी जान हैं। स्पेशली सासू मां से मैंने सीखा कि जिंदगी में चाहे कितने ही उतार-चढ़ाव आ जाएं, हार नहीं माननी चाहिए और हमेशा पॉजिटिव सोच रखनी चाहिए। राहा से मैंने हमेशा खुश रहना सीखा है। जहां तक मेरे पति रणबीर की बात है तो वह मेरी जिंदगी का वो खूबसूरत एहसास हैं, जिनकी मैं शुरू से फैन थी। जहां वो पर्सनल लाइफ में शांत पति हैं, वहीं एक जिम्मेदार पिता भी हैं। हमारी बेटी राहा में तो उनकी जैसे जान ही बसती है।